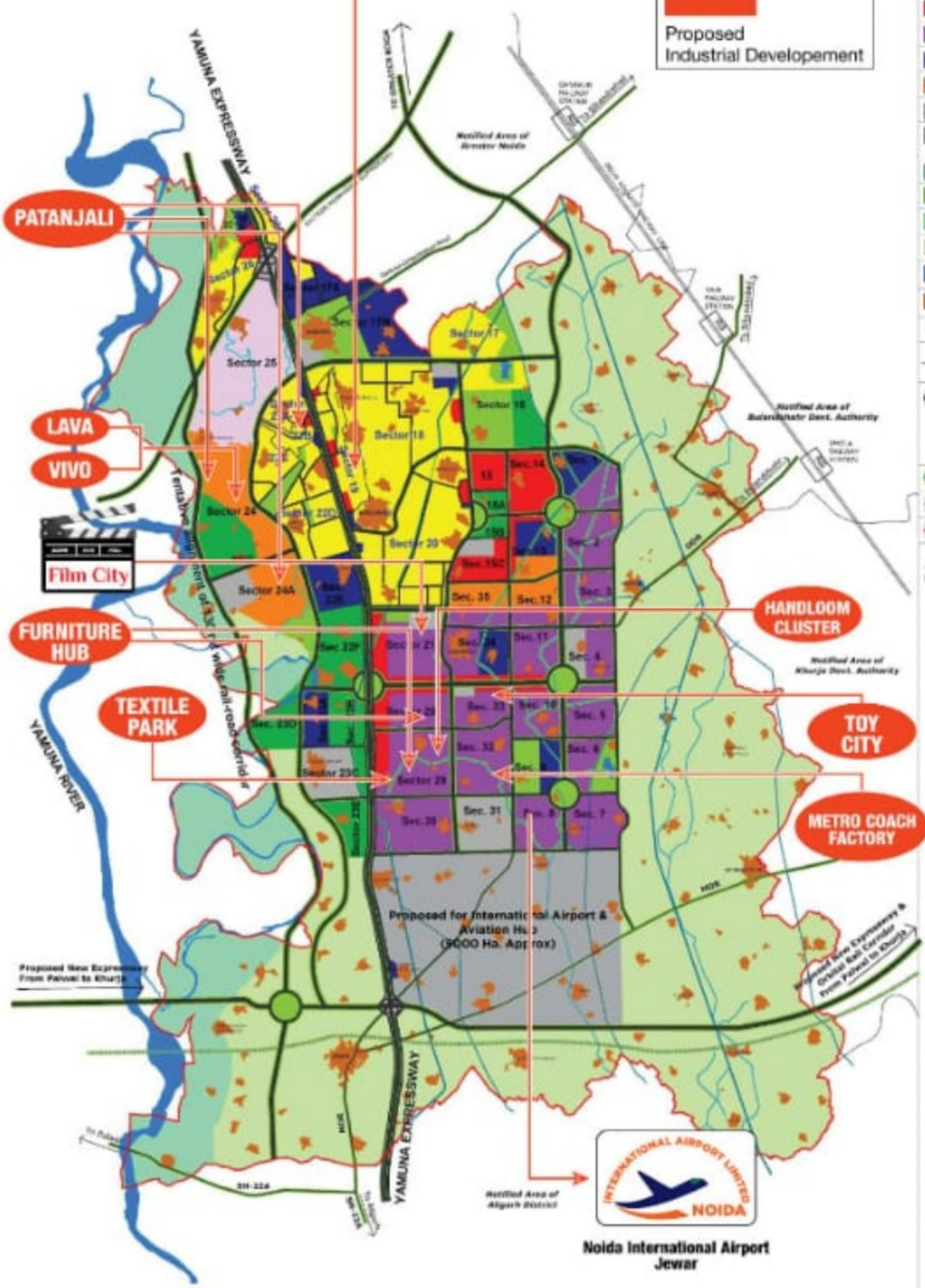

MASTER PLAN FOR YAMUNA EXPRESSWAY INDUSTRIAL DEVELOPMENT AREA (PHASE - I) - 2031

(For Notified Area of GautamBudh Nagar & Bulandshahr District)

YAMUNA EXPRESSWAY INDUSTRIAL DEVELOPMENT AUTHORITY

TITLE : Master Plan

Scanned with OKEN Scanner

JEWAR PLOTS

साल 2021 में जेवर में प्रॉपर्टी में आयेगा बूम

सेक्टर - 7 : एलिवेशन हब
सेक्टर - 32 : मेट्रो कोच
सेक्टर - 32 : टोय सिटी
सेक्टर - 29 : हैंडलूम सेक्टर
सेक्टर - 19 : यमुना गौर सिटी
सेक्टर 24, 24A, 22B : पतंजलि
सेक्टर - 24 : लावा वीवो
सेक्टर 21-29 : टेक्सटाइल हब
सेक्टर 28,29 : फर्नीचर हब
सेक्टर 29 : हैंडलूम क्लस्टर

जेवर के पास प्लॉट्स के लिये

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

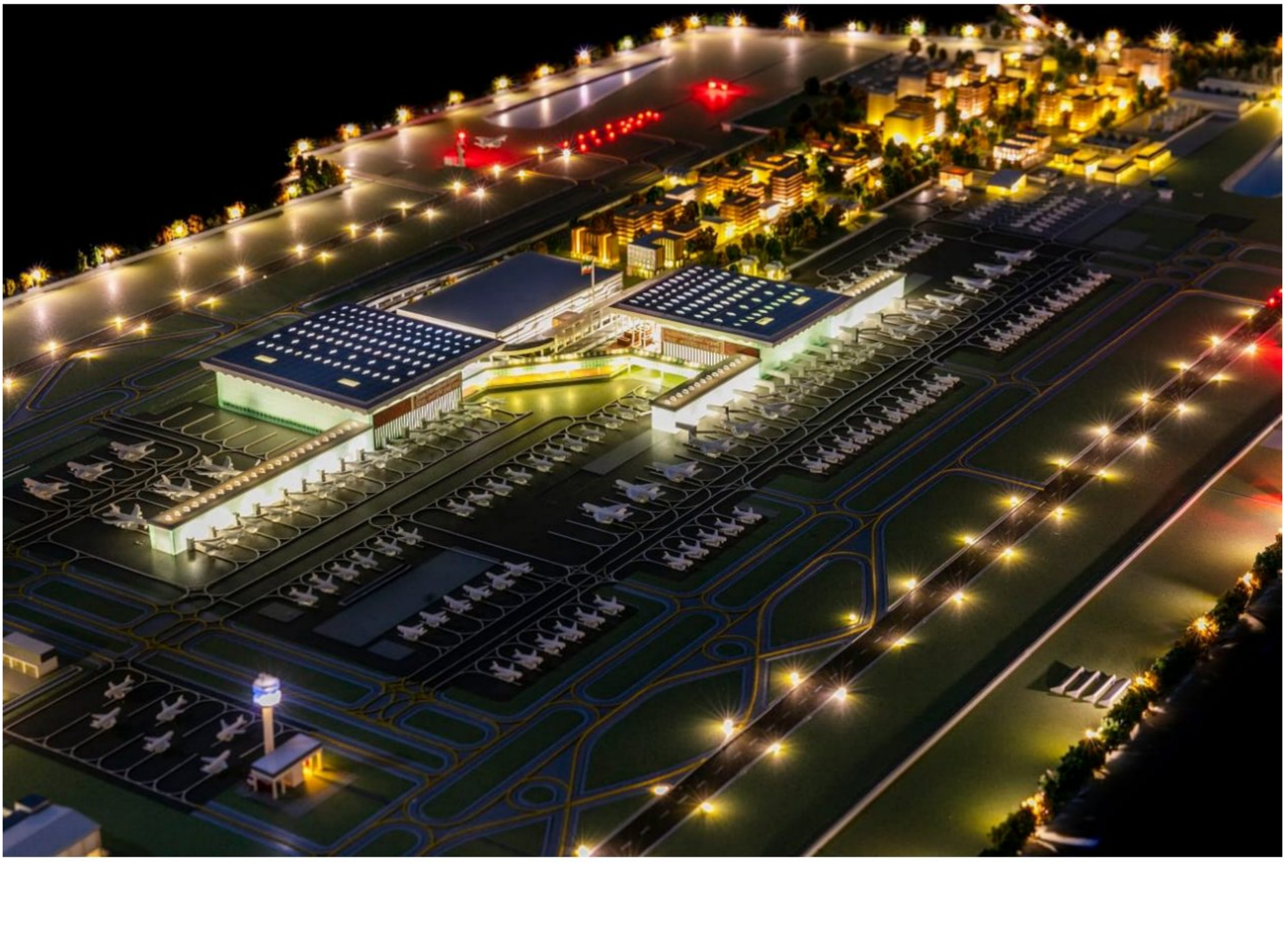

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

योगी सरकार में जेवर एयरपोर्ट के साथ खुले विकास और निवेश के द्वार

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनेंगे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर

जेवर एयरपोर्ट के पास 69 कंपनियां लगाएंगी अपना प्लांट

जेवर एयरपोर्ट के पास 700 एकड़ में बनेगा ट्रांसपोर्ट नगर

₹2000 करोड़ के निवेश से जेवर एयरपोर्ट पर बनेगा टॉय क्लस्टर

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

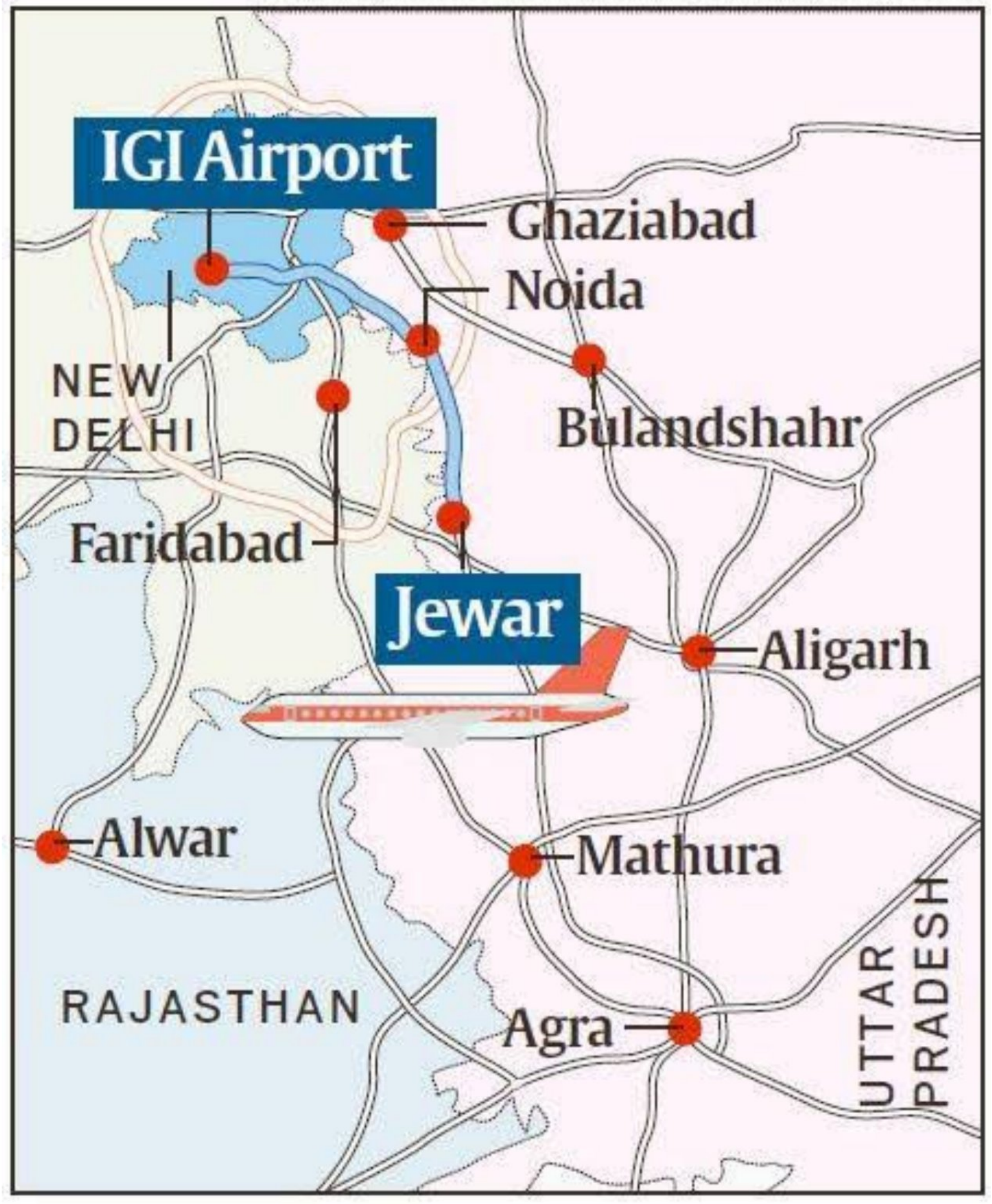

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

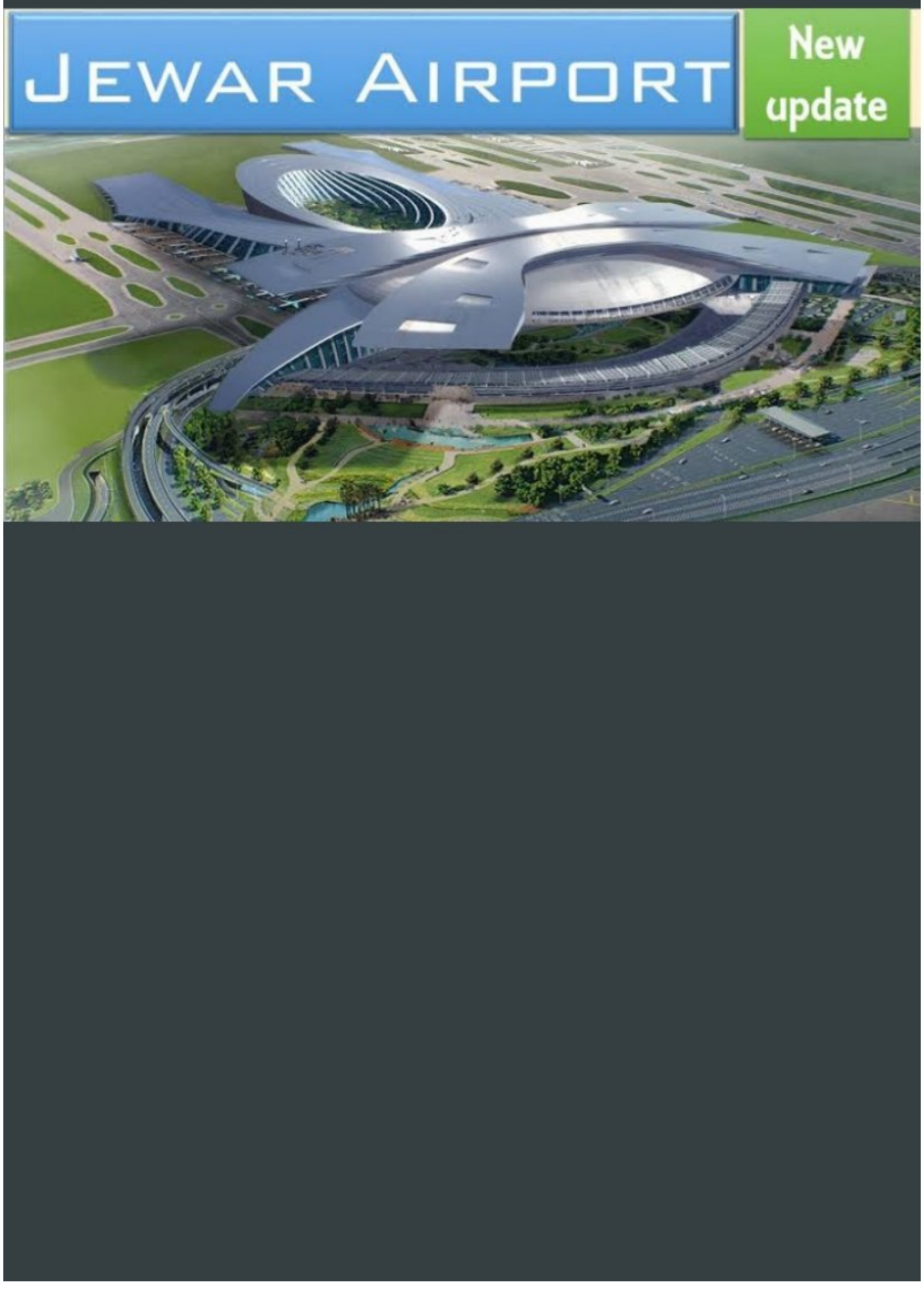

Scanned with OKEN Scanner

18:18

2 5 12

Tweet your reply

Scanned with OKEN Scanner

HONDA

VIVO

Scanned with OKEN Scanner

PANASONIC

YAMAHA

Scanned with OKEN Scanner

BUSINESS HUB

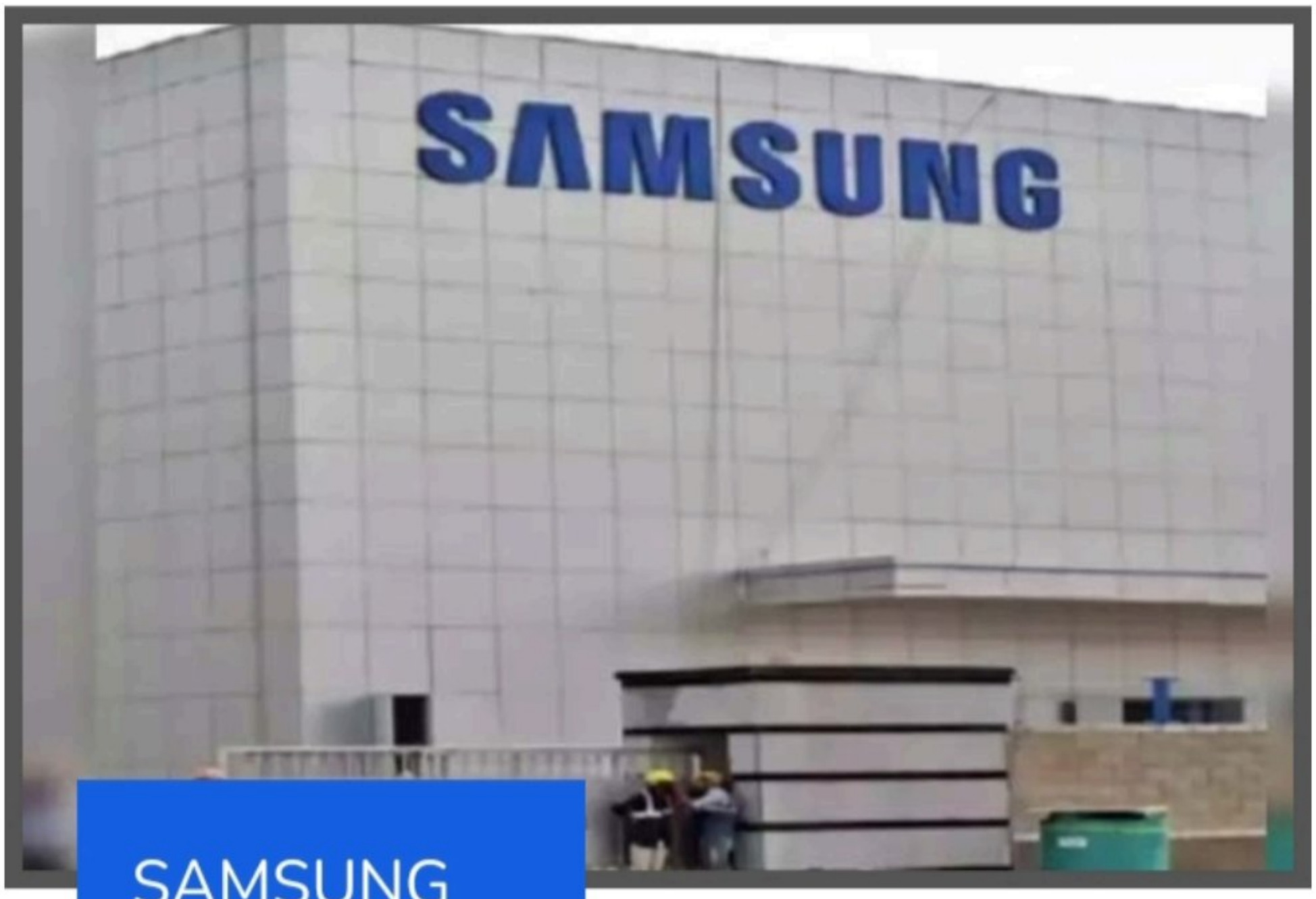

SAMSUNG

NIIT

Scanned with OKEN Scanner

AVIATION

TRANSPOR

T

Scanned with OKEN Scanner

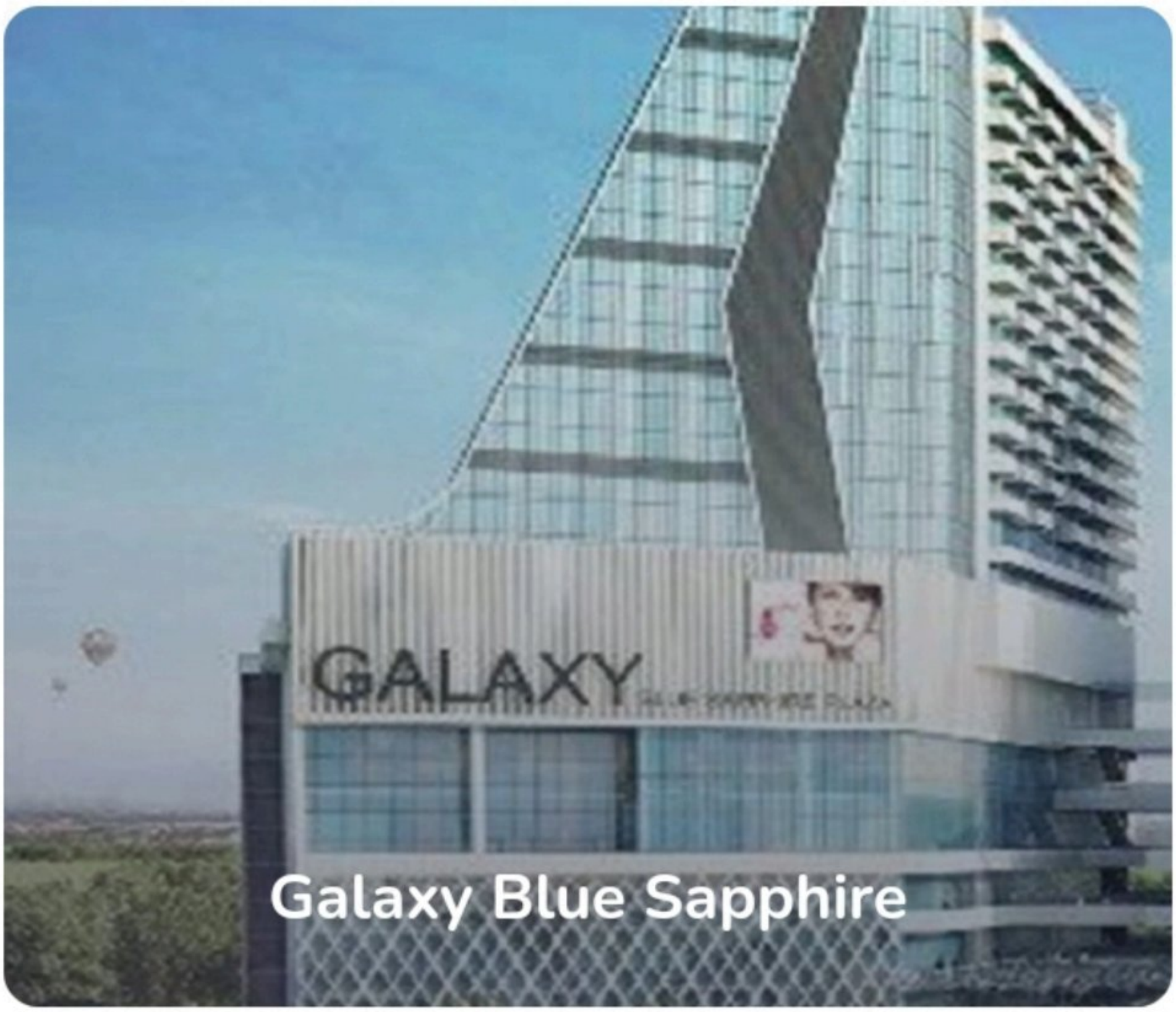

Galaxy Blue Sapphire

Grandthum Bhutani

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

YAMUNA EXPRESSWAY INDUSTRIAL DEVELOPMENT AUTHORITY

Proposed site

Film City

(Sector - 21)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो पर मुहर

मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट से जुड़ेंगे दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट, बोर्ड बैठक में बनी सैद्धांतिक सहमति

अमर उजाला ब्यूरो
ग्रेटर नोएडा।

यमुना प्राधिकरण की 62वीं बोर्ड बैठक में मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली एयरपोर्ट से जोड़ने और परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो चलाने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। यमुना प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ. प्रभात कुमार व सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर और दिल्ली एयरपोर्ट के बीच यात्रियों को सुगम परिवहन सुविधा देने की योजना है। इसके लिए मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट सिस्टम अपनाया जाएगा। मेट्रो, ट्रांजिट रेल, एक्सप्रेसवे, पोड टैक्सी समेत तमाम विकल्प आजमाए जाएंगे। यातायात के किन साधनों की फिजिबिलिटी हो सकती है इसका अध्ययन करने की जिम्मेदारी नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन को जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया है। कार्पोरेशन के साथ जल्द ही एमओयू साइन करके सर्वे शुरू कराया जाएगा। आज सुबह 11 यमुना प्राधिकरण अधिकारियों और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक प्रस्तावित है। इसके बाद अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण भी करेंगे।

38 किमी के एलिवेटेड रूट पर दौड़ेगी मेट्रो

नोएडा-ग्रेनो मेट्रो को जेवर एयरपोर्ट से कनेक्ट करने के लिए मेट्रो चलाई जाएगी। परी चौक से एयरपोर्ट तक एक्सप्रेसवे के समानांतर करीब 38 किलोमीटर लंबे रूट पर एलिवेटेड मेट्रो चलेगी। बोर्ड ने इस पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है। टेक्निकल फिजिबिलिटी पहले ही हो चुकी है। अब

सिंगापुर की तर्ज पर होगा नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का यात्रा कार्ड

- क्रेडिट कार्ड की तरह ऑनलाइन शॉपिंग आदि में भी कर सकेंगे प्रयोग
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एनएमआरसी के अधिकारियों की बात
- कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम पर आधारित होने की संभावना

अमर उजाला ब्यूरो
नोएडा।

अब नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो में सिंगापुर की तर्ज पर यात्रा कार्ड का प्रयोग किया जा सकेगा। यहां के कार्ड का नाम वन सिटी वन कार्ड होगा। सिंगापुर की तर्ज पर यह कई कामों में उपयोगी होगा। इसका उपयोग क्रेडिट और डेबिट कार्ड की तरह भी हो सकेगा। बताया जा रहा है कि यह सिंगापुर के कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम पर आधारित होगा। इस बाबत नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एक दल पिछले दिनों सिंगापुर गया था, जहां इस कार्ड को लेकर अध्ययन किया गया।

इस मेट्रो कार्ड का उपयोग मेट्रो, सिटी बस में सफर और पार्किंग के अलावा क्रेडिट कार्ड की तरह ऑनलाइन शॉपिंग, मॉल से खरीदारी, पेट्रोल पंप, होटल और रेस्तरां आदि में भी किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इस कार्ड के जरिये बिजली, पानी व गैस समेत प्राधिकरण के सभी प्रकार के शुल्क का भी भुगतान करने की सुविधा दी जा सकेगी। हालांकि इसकी अधिकारियों ने अभी तक पुष्टि नहीं की है।

एनएमआरसी के अधिकारियों के मुताबिक इस कार्ड के लिए स्टेट बैंक

करार रखना है यह अभी अंतिम रूप से तय नहीं हो पाया है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से बैंक अपनी ओर से एटीएम कार्ड की व्यवस्था रखते हैं और जरूरत पड़ने पर ग्राहकों को उपलब्ध करा देते हैं।

अन्य मेट्रो में नहीं होगा लागू

एनएमआरसी के अधिकारियों के मुताबिक यह कार्ड अन्य मेट्रो में लागू नहीं होगा। यानी इस कार्ड के माध्यम से दूसरी मेट्रो का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। यह कार्ड केवल नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो के अलावा दूसरे अन्य कार्यों के लिए उपयोग में लाया जा सकेगा। हालांकि इस पर भी अभी अंतिम फैसला होना है।

मांगी गई है रिपोर्ट

एनएमआरसी का दो सदस्यों का दल सिंगापुर गया था। यहां उन्होंने सिंगापुर के कार्ड का अध्ययन किया। एक कार्ड कई कार्यों के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इस पर एक रिपोर्ट मांगी गई है। इसको नोएडा-ग्रेनो मेट्रो में लागू किया जाएगा।

कार्ड से यात्रा व पार्किंग प्रीपेड होगी

1 अधिकारियों की मानें तो यात्रा का कार्ड ओपन लूप कार्ड होगा। इसमें मेट्रो, सिटी बस व पार्किंग की सुविधा प्री-पेड आधार पर मिल सकेगी। उनका कहना है कि इस कार्ड की अन्य सुविधाएं क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर मिलेंगी। बैंक की ओर से ये कार्ड सभी मेट्रो स्टेशन पर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिन्हें इस कार्ड में क्रेडिट कार्ड की भी सुविधा चाहिए, बैंक उनसे पते और पहचान संबंधी सभी दस्तावेज लेंगे, जैसे कि क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए जाते हैं। अन्य लोगों को ये ऐसे ही उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्ड पर मिल सकते हैं कई ऑफर

2 जिस तरह से बैंकों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर कई तरह के छूट के ऑफर दिए जाते हैं। उसी तरह से इस कार्ड पर भी कई तरह के छूट मिलने की संभावना है। जानकारी की मानें तो बैंकों की ओर से इस तरह के छूट मिलने की बात की जा रही है।

कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम की खूबी

3 जानकारी के मुताबिक सिंगापुर में टिकटिंग सिस्टम के लिए ईजी-लिंक और एनईटीएस फर्म्स कांटेक्टलेस स्मार्ट कार्ड का उपयोग किया जाता है जो कि ई-पेमेंट के लिए कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम (सीईपीएएस) पर आधारित है। 2009 के बाद एनईटीएस फर्म्स मार्केट में आया। सीईपीएएस कार्ड का उपयोग गुड्स एंड सर्विसेज, टोल प्लाजा, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग सिस्टम, जनरल टिकटिंग मशीन, पैसेंजर सर्विस सेंटर, एटीएम सहित कई स्थानों पर किया जाता है।

News18 Uttar Pradesh

Suggested for you · 2 d ·

दिल्ली-वाराणसी के बीच शुरू होने वाली हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के तहत यह बुलेट ट्रेन राजधानी दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर नोएडा सेक्टर 44 होते हुए महज 20 मिनट में जेवर एयरपोर्ट पहुंचेगी.

NEWS18 INDIA

Delhi–Varanasi Bullet Train: जेवर से लखनऊ 1 घंटे तो वाराणसी बस 2 घंटे में पहुंचाएगी बुलेट ट्रेन

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Night Safari

India's first and world's fourth- Night Safari project to be developed on 250 acres of land located adjoining to Gautam Budh university (GBU) campus right along the Yamuna Expressway.

Ernst & Young has been selected as the Financial Transaction Advisor and will shortly finalize the Business Plan for the Night Safari. EOI for the project was issued on 26th September 2014 and a workshop for interested applicants was held on 7th November 2014.

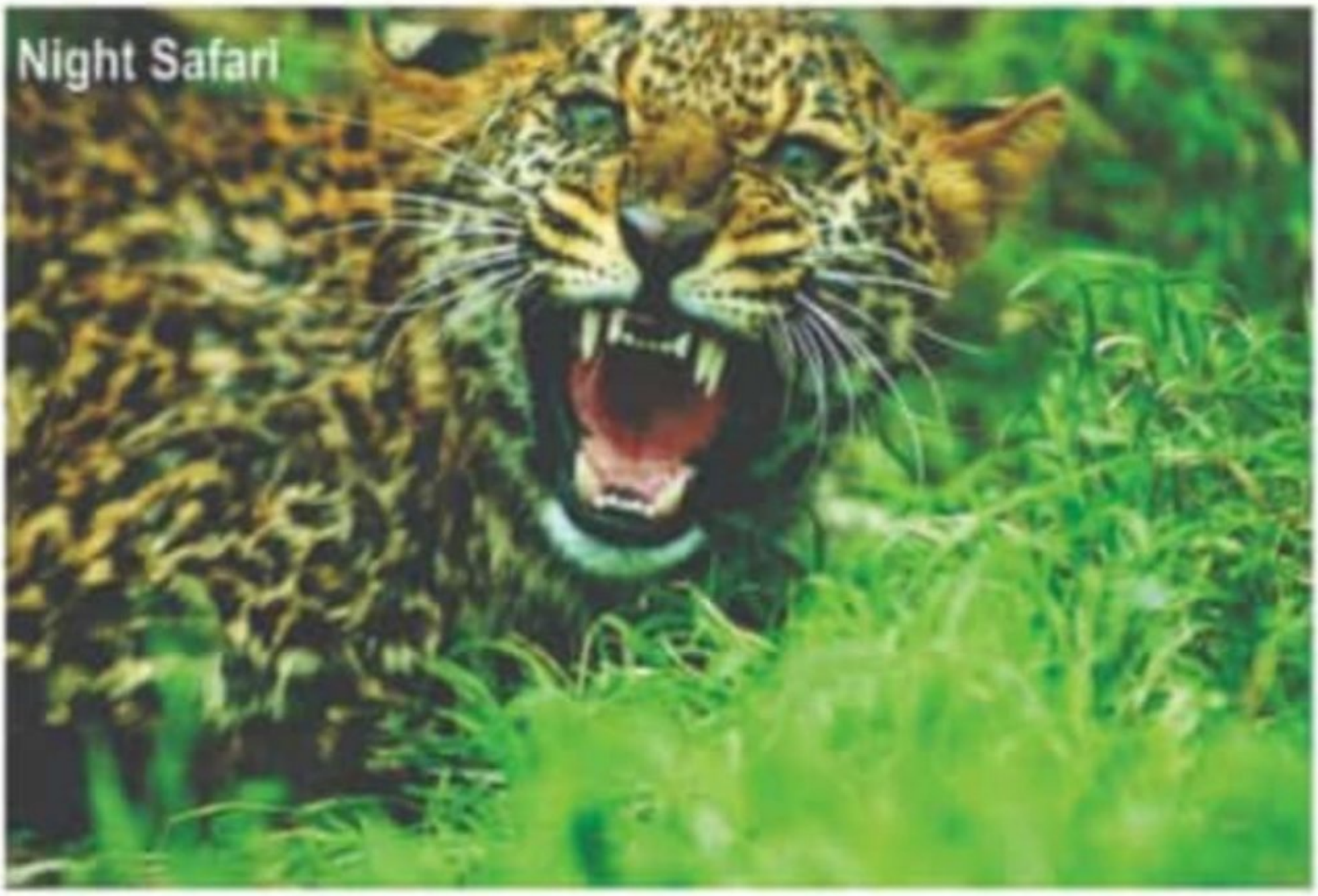

In August 2013, the Uttar Pradesh cabinet has given the go ahead for the proposal to build the Night Safari on a public-private partnership (PPP) model. The Greater Noida Authority is on the way to select an international standard consultant, who will supervise and monitor the country's only Night Safari project's construction. This selection process is expected to be completed in December 2013 and work on the site is expected to begin by April 2014.

The Night Safari is expected to be opened to public by 2017-18.

The project will create environment awareness and offer recreation to residents, besides boosting tourism in Greater Noida. It will be developed on the lines of open zoological gardens in China and Singapore. Unlike traditional nocturnal houses, which reverse the day-night cycle of animals so they will be active by day, the Night Safari will be an entire open-air zoo set in a humid tropical forest that is only open at night. The naturalistic enclosures simulate the animals' native habitat. Animals would be separated from visitors with natural barriers, rather than caged, similar to the Singapore Zoo's open concept. A train would course through the project site to take visitors to watch animals housed in the open wilderness in habitats recreated to match their original habitats. Proper arrangement will be made to observe the animals in the night with animal-watching hours proposed to be from 7pm to midnight.

The nocturnal park will be home to a total of 71 species of local and exotic animals.

Scanned with OKEN Scanner

जेवर एयरपोर्ट : हाईवे और रेलमार्ग दोनों नजदीक

1334 हेक्टेयर जमीन पर पहला चरण पूरा होगा | **5000** हेक्टेयर जमीन पूरी परियोजना के लिए आरक्षित है | **1.2** करोड़ सालाना यात्रियों के साथ वर्ष 2024 में शुरू होगा जेवर एयरपोर्ट

टॉय सिटी

एयरपोर्ट से 1 किलोमीटर दूर स्थित सेक्टर-32 में टॉय सिटी बसाई जाएगी। करीब 100 उद्यमियों ने इकाई लगाने के लिए आवेदन किया है। 9 अक्तूबर को इनका आवंटन किया जाएगा। खिलौना उद्योग में चीन पर निर्भरता खत्म करने के लिए यह योजना शुरू की गई है।

अपैरल-हैंडीक्राफ्ट पार्क

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-29 में ये पार्क विकसित किए जाएंगे। 9 अक्तूबर को तीनों पार्क में भूखंड आवंटित किए जाएंगे। एयरपोर्ट से करीब तीन किलोमीटर दूर बसने वाले तीनों पार्कों के लिए 8 हजार से अधिक उद्यमियों ने आवेदन किया है। इसकी तैयारी पूरी हो गई है।

फिल्म सिटी

एयरपोर्ट से छह किलोमीटर दूर, प्रदेश सरकार के प्रस्ताव के बाद प्राधिकरण ने सेक्टर-21 में फिल्म सिटी बसाने की तैयारी की है। 1000 एकड़ जमीन में फिल्म सिटी बसाई जाएगी। फिल्म सिटी एयरपोर्ट से छह किलोमीटर दूर है। इसकी डीपीआर बनवाने के लिए कंसल्टेंट के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

मेडिकल डिवाइस पार्क भी नजदीक

यह सेक्टर एयरपोर्ट से करीब 4 किलोमीटर दूर है। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जाएगा। केंद्र सरकार की इस योजना के लिए 250 एकड़ जमीन तय कर दी गई है। प्रदेश सरकार ने इस प्रस्ताव को केंद्र को भेज दिया है। इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनवाई जा रही है।

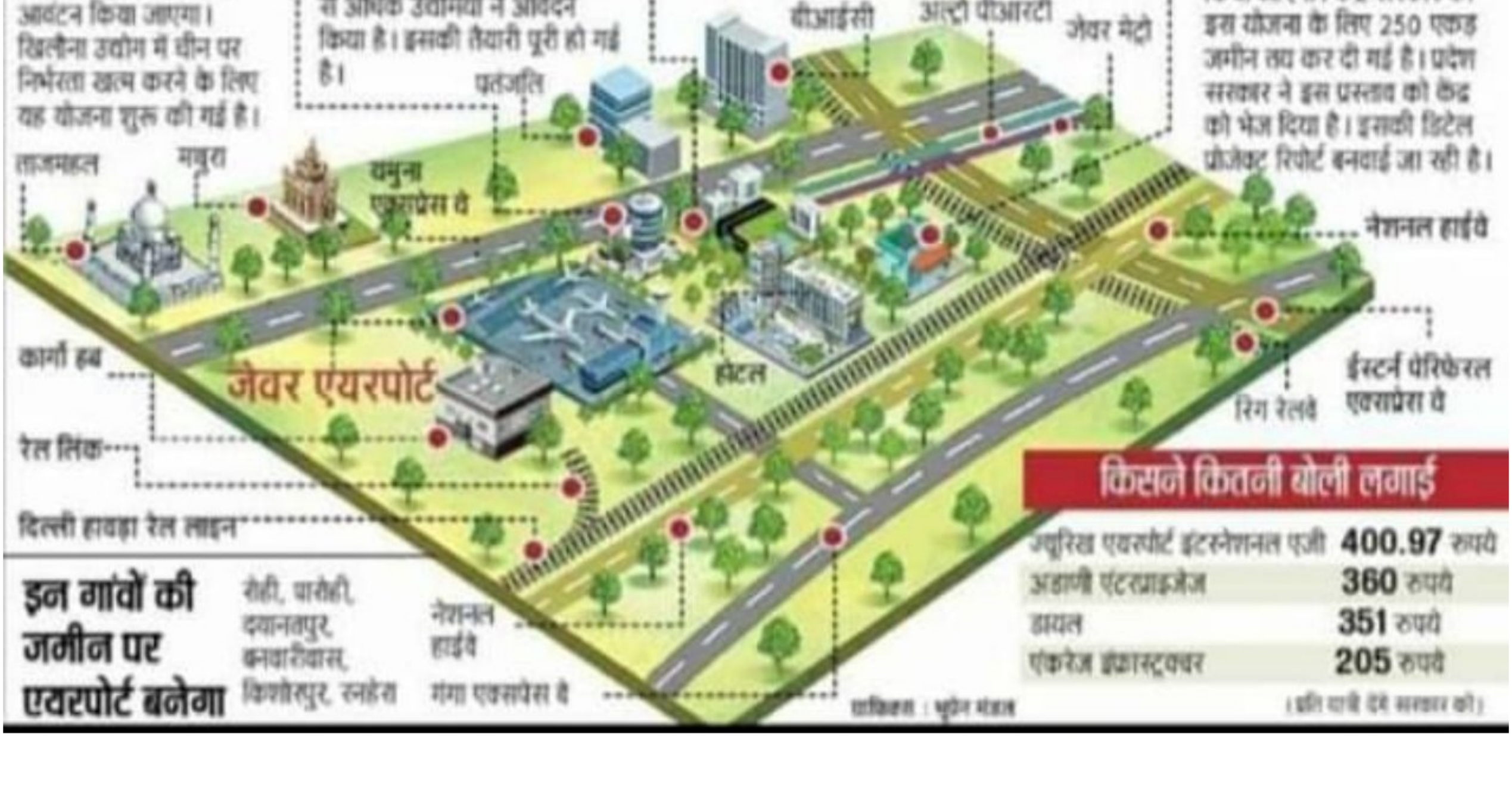

इन गांवों की जमीन पर एयरपोर्ट बनेगा

रोही, पारोही, दयानतपुर, बनवारीवास, किशोरपुर, रन्हेरा

किसने कितनी बोली लगाई

ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी	400.97 रुपये
अडाणी एंटरप्राइजेज	360 रुपये
डायल	351 रुपये
एंकरेज इंफ्रास्ट्रक्चर	205 रुपये

(प्रति यात्री देंगे सरकार को।)

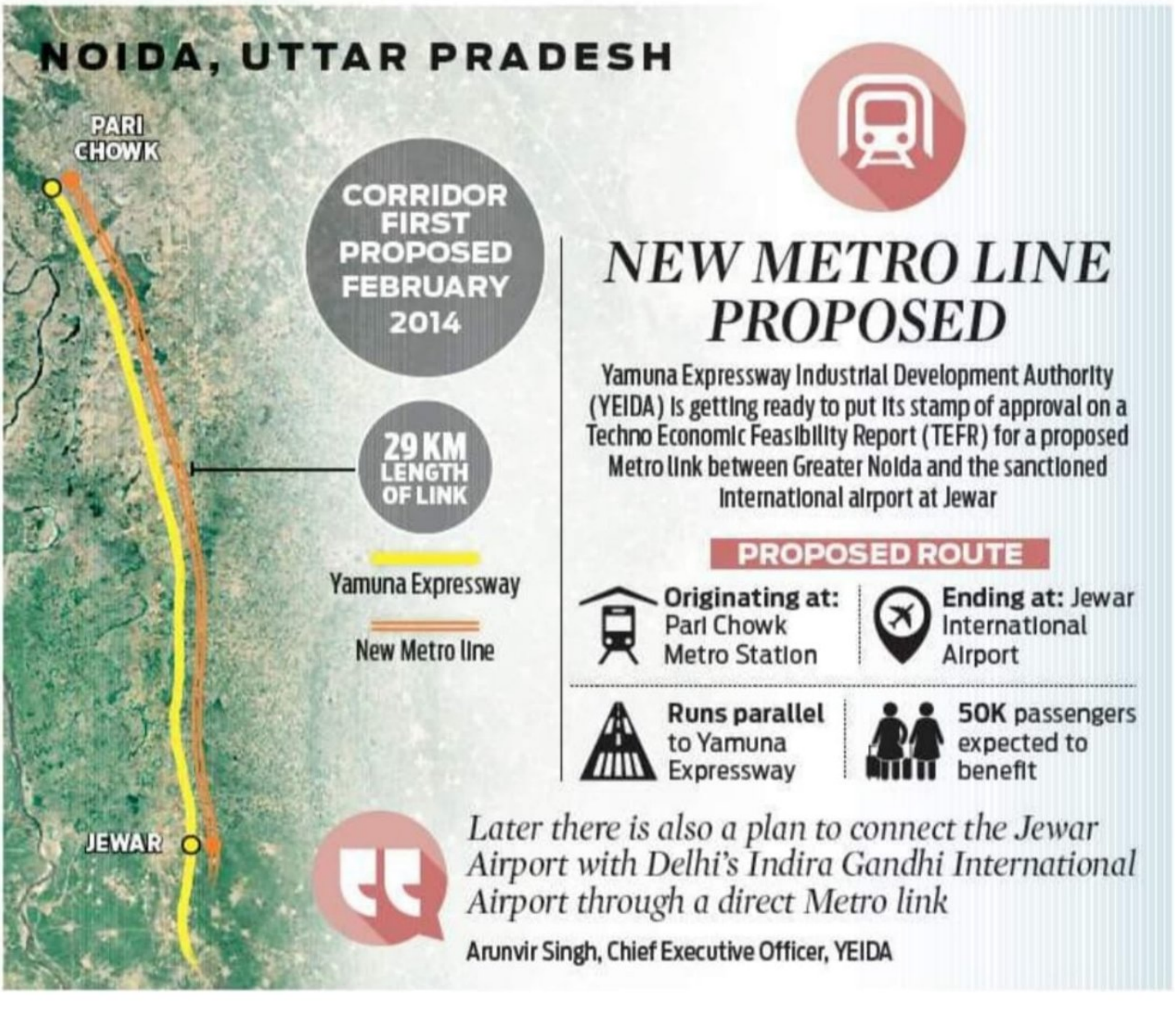

Scanned with OKEN Scanner

NBT
नवभारत टाइम्स
www.navbharatgold.com
www.nbt.in

रनवे नंबर 1 से 2024 में शुरू होगी उड़ान

जेवर के हवाई अड्डे पर नहीं होगा कार्बन का उत्सर्जन, डिजिटल सुविधाओं से होगा लैस

जेवर में एयरपोर्ट बनाने के लिए ज्यूरिख इंटरनैशनल और नियाल के बीच बुधवार को कंसेशन अग्रीमेंट हुआ

कोरोना की वजह से हुई देर, अब तक शुरू हो जाता काम

तीनों अथॉरिटी और प्रदेश को मालामाल करेगा हवाई अड्डा

कनेक्टिविटी के लिए तैयार होगा प्रस्ताव

'हर मंडल में एयरपोर्ट की तैयारी'

देश में और अवसर देख रही स्विस कंपनी

2021 में एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू होगा

7 गुना बढ़ेगी आर्थिक गतिविधियां

हवाई यात्रा से जुड़ेगा वेस्ट यूपी

अडानी को पछाड़ कर लिया था कॉन्ट्रैक्ट

NBT
नवभारत टाइम्स
www.navbharatgold.com

5 रनवे वाला जेवर एयरपोर्ट एशिया में होगा सबसे बड़ा

फिजिबिलिटी रिपोर्ट में 3 और रनवे बनाने की सिफारिश की

▪ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

[illegible]

इसका शिलान्यास पीएम से कराने की योजना

[illegible]

एमआरओ उद्योग से बड़ी उम्मीद

[illegible]

एयरपोर्ट भरेगा सरकार की झोली

[illegible]

सेक्टर-151 में 10 एकड़ में बनेगा हेलिपोर्ट

▪ नगर संवाददाता, नोएडा

[illegible]

इस पर 8 हेलिकॉप्टर खड़े हो सकेंगे

[illegible]

Scanned with OKEN Scanner

8595333777
udaan
Plots, Farm Houses

NBT
नवभारत टाइम्स

VANSH
उड़ान

दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट दौड़ेगी एक्सप्रेस मेट्रो

■ विशेष संवाददाता, यमुना सिटी

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से जेवर एयरपोर्ट के लिए एक्सप्रेस मेट्रो चलेगी। इस रूट पर 2-3 स्टेशन ही होंगे। ग्रेटर नोएडा के परी चौक से भी जेवर एयरपोर्ट के लिए नॉन स्टॉप मेट्रो चलाने की योजना है। दोनों रूट जीरो पॉइंट पर मिलेंगे। इसके लिए यमुना अथॉरिटी फिजिबिलिटी रिपोर्ट व डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करा रही है। वहीं, यमुना सिटी के लोकल यात्रियों के लिए ट्राम व ट्रांसपोर्ट के अन्य विकल्पों का अध्ययन किया जा रहा है।

यमुना सिटी के लोगों के लिए ट्राम व अन्य विकल्पों की हो रही स्टडी

जेवर एयरपोर्ट को बेहतर कनेक्टिविटी देने का प्रयास

बता दें कि जेवर में एयरपोर्ट बनने का रास्ता साफ हो चुका है। इस एयरपोर्ट की एनसीआर के अन्य शहरों से कनेक्टिविटी के लिए भी काम शुरू कर दिया गया है। इसी के तहत यमुना अथॉरिटी मेट्रो संचालन की भी तैयारी कर रही है। अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के यात्रियों को आवागमन में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो चलाने की योजना है। इसके लिए डीएमआरसी को डीपीआर और फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया जा चुका है। इस पर काम चल रहा है।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बनेगा रूट

उन्होंने **बताया** कि एयरपोर्ट जाने वाले लोगों को कम समय में पहुंचाने के लिए यह योजना बनाई जा रही है। इससे लोगों का समय बचेगा। प्रस्तावित परी चौक से यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे होते हुए प्रस्तावित मेट्रो चलाने की योजना है। फिलहाल इसमें बीच में स्टेशन न रखने का रखने का प्लान है। यह करीब 30 किमी लंबा ट्रैक होगा।

यहां प्रस्तावित है जेवर एयरपोर्ट

दिल्ली रूट जीरो पॉइंट पर कनेक्ट होगा

दिल्ली एयरपोर्ट से भी जेवर तक नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के किनारे होते हुए नॉन स्टॉप मेट्रो लाइन लाने की योजना है। इसमें दिल्ली और नोएडा में ही 2 या 3 स्टेशन होंगे। इससे दिल्ली से आने वाले यात्री भी कम समय में सीधे जेवर एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। इस रूट पर मेट्रो नोएडा होते हुए जीरो पॉइंट पर परी चौक मेट्रो रूट से कनेक्ट होगी।

स्थानीय लोगों के लिए भी सुविधा

सीईओ ने बताया कि लोकल यात्रियों को जेवर एयरपोर्ट पहुंचाने के लिए ट्राम व ट्रांसपोर्ट के अन्य विकल्प तैयार करने की योजना है। इसका फायदा यह होगा कि सीधे एयरपोर्ट जाने वाले लोगों को परेशानी और देर नहीं होगी। फिलहाल इसको लेकर स्टडी की जा रही है। भविष्य में इसमें बदलाव भी हो सकते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

JOURNEY OF TAKE OFF

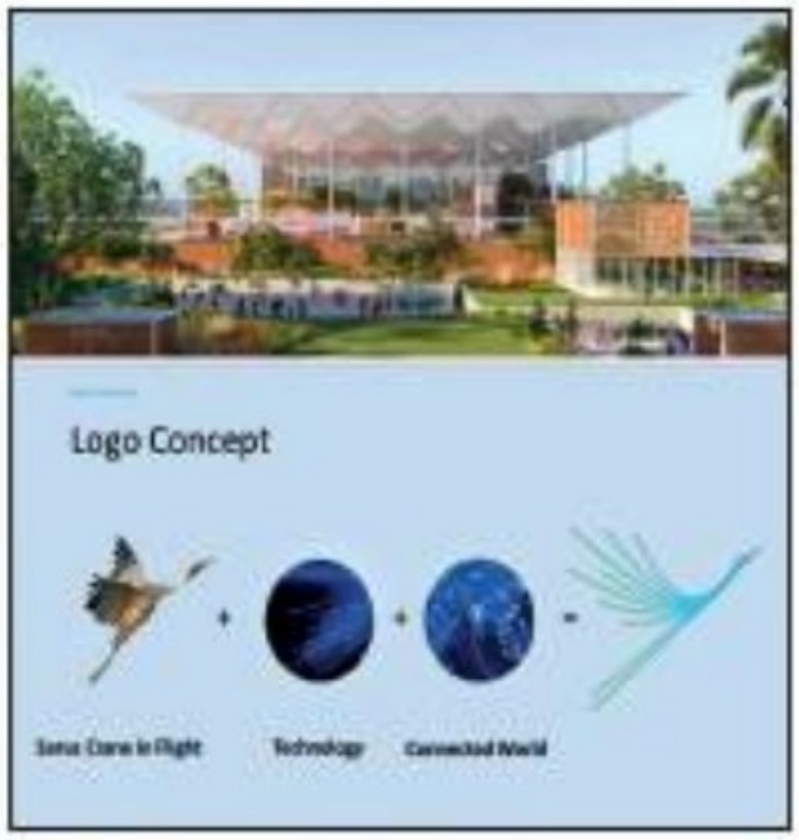

An artist's impressions of Noida International Airport and the thought behind the logo

2017

July 6 | Civil aviation ministry gives clearance to the site

Oct 5 | Home ministry gives NOC

2018

July 11 | Defence ministry gives NOC

2019

Nov 29 | UP govt opens financial bid. Zurich Airport International AG, which put forth a premium of Rs 400.97 per passenger, gets selected

Dec 16 | UP govt gives conditional letter of award to Zurich Airport International AG

2020

Mar 9 | The project gets clearance from the environment ministry

May 18 | Union civil aviation ministry gives security clearance to the project

Oct 7 | Special purpose unit of Zurich International Airport AG, YIAPL, signs a concession agreement with Noida International Airport Limited (NIAL), the company formed by UP government

Dec 4 | Concessionaire YIAPL submits a master plan with NIAL

Scanned with OKEN Scanner

Zee Business

1d •

नोएडा की नई फिल्म सिटी से मिलेगा 15 हजार लोगों को रोजगार, हॉलीवुड पैटर्न पर होगी डिजाइन

#NoidaInternationalAirport #upfilmcity #UPGovernment

ZEEBIZ.COM

नोएडा की नई फिल्म सिटी से मिलेगा 15 हजार लोगों को रोजगार, हॉलीवुड पैटर्न पर होगी डिजाइन | Zee Business

Scanned with OKEN Scanner

● यमुना प्राधिकरण ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा ● प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग करने की मांग

न्यू अशोक नगर से जेवर तक रैपिड रेल की योजना

शहर को रफ्तार

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की आईजीआई एयरपोर्ट नई दिल्ली से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए यमुना प्राधिकरण जुटा हुआ है। प्राधिकरण ने रैपिड रेल को दिल्ली के न्यू अशोक नगर से जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। यह ट्रैक करीब 50 किलोमीटर का होगा। इस पर 8680 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

पहले यह प्रस्ताव एनसीआरटीसी को भेजा गया था, जिसने यह प्रस्ताव खारिज कर दिया था। अब यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है ताकि फंडिंग हो सके। जेवर एयरपोर्ट को आईजीआई से जोड़ने के लिए कवायद चल रही है। यमुना प्राधिकरण सरकारी संस्था राइट्स से इसका अध्ययन करवाया है। विकल्पों में रैपिड रेल भी शामिल है। अगर रैपिड रेल आती है तो आईजीआई से जेवर तक की दूरी करीब 88 किलोमीटर होगी। न्यू अशोक नगर से जेवर तक जमीन का भी मसला आड़े नहीं आएगा।

दरअसल इसे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के सहारे ले जाएंगे। इसका प्रस्ताव एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन) को भेजा गया था। यमुना प्राधिकरण की ओर से भेजे गए इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया था। इस परियोजना की लागत अधिक है।

एनसीआरटीसी दिल्ली-मेरठ रूट पर रैपिड रेल परियोजना पर काम कर रहा है। इसका एक स्टेशन न्यू अशोक नगर (दिल्ली) होगा। यहां से जेवर तक रैपिड रेल चलाने की तैयारी है। रिपोर्ट बताती है कि यह सेक्शन करीब 50 किलोमीटर का होगा जबकि आईजीआई से इसकी दूरी 88 किलोमीटर होगी। इसमें से 22 किलोमीटर अंडरग्राउंड ट्रैक होगा। अगर इस रूट पर रैपिड रेल चल जाती है तो जेवर से आईजीआई 49 से 50 मिनट में पहुंच जाएंगे।

इस रूट पर दौड़ाने की योजना

50 किलोमीटर का ट्रैक होगा न्यू अशोक नगर से जेवर एयरपोर्ट तक। 8680 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है इस परियोजना पर

6 रैपिड रेल के लिए फिर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें न्यू अशोक नगर से जेवर तक ट्रैक बिछाने की योजना है। केंद्र सरकार की गाइड लाइन के तहत आगे बढ़ेंगे। -डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

फंडिंग सबसे बड़ा मुद्दा : इस रूट को बनाने में खर्च बहुत अधिक है। इसके चलते यह प्रस्ताव अब यमुना प्राधिकरण ने फिर केंद्र सरकार को भेजा है ताकि इस पर फंडिंग केंद्र सरकार कर दे और यह ट्रैक बन जाए। दोनों एयरपोर्ट के बीच आवागमन कम समय में हो सके, इसके लिए यह विकल्प बेहतर है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे किनारे-किनारे इसे लाया जाएगा और आगे यमुना एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड पर से इसे गुजारने की तैयारी है।

एसीईओ को बनाया नोडल अफसर : केंद्र सरकार ने यमुना प्राधिकरण के एसीईओ को इन परियोजनों में जेवर से जोड़ने की संभावनाओं को तलाशने के लिए नोडल अफसर बनाया है। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि नोडल अफसर बनाए जाने से इन योजनाओं को गति मिलेगी।

ये भी विकल्प

1 एलिवेटेड रोड : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से इस एलिवेटेड रोड को जोड़ा जाएगा। राइट्स की रिपोर्ट बताती है कि यह महिपालपुर अंडरपास से शुरू होगी। मौजपुर (चंदावली) के पास जंक्शन बनेगा। यह एलिवेटेड रोड 78 किलोमीटर लंबी होगी 6 लेन की प्रस्तावित इस रोड से 50 मिनट में जेवर से आईजीआई पहुंच जाएंगे।

2 मेट्रो : जेवर से ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो का प्रस्ताव लंबित है। इसके लिए दो विकल्प हैं। डीएमआरसी की एक लाइन ऐरो सिटी से तुगलकाबाद तक है। इसको तुगलकाबाद से नोएडा सेक्टर-142 तक लाया जाना है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा (जेवर वाली लाइन) से नोएडा सेक्टर-142 तक ट्रैक बनाना होगा।

3 सड़क : जेवर को आईजीआई से जोड़ने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे का भी सहारा लिया जाएगा। आईजीआई से रेवाड़ी रोड होते हुए तारु के पास पेरिफेरल एक्सप्रेस से जोड़ देंगे। यहां से बद्रहाट (पलवल) तक आएंगे। पलवल-खुर्जा मार्ग से जेवर आ जाएंगे।

Scanned with OKEN Scanner

15:24

THE TIMES OF INDIA

OPEN APP

Lenovo smarter classroom management tools.

CITY

Driverless pod car between Jewar airport & amusement park in Film City: Plan details

TNN / Updated: Sep 7, 2021, 09:21 IST

Direct distance between amusement park and Noida International Airport is 6km.

OPEN TOI APP

NOIDA: UP g nning a

तेजी से वजन कम करना चाहते हैं, तस्वीर पर क्लिक करें!

AD Green Coffee

VIEW MORE

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Noida Airport: Yogi govt mulls driverless taxi pods from Greater Noida to Jewar

Photo: Ultra Global PRT

OPEN APP

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश

यूपी: हाईटेक होगी एयरपोर्ट की सुरक्षा, जल्द बनाए जाएंगे 10 वॉच टॉवर, वाहन जांच के लिए बनेंगे नए चेकपोस्ट

मुख्य संवाददाता , लखनऊ
Last Modified: Sun, Aug 01 2021. 05:50 AM IST

एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए 10 वॉच टॉवर बनाए जाएंगे। इन टॉवरों से सीआईएसएफ के जवान एयरपोर्ट की निगरानी करेंगे। इनकी ऊंचाई अंतरराष्ट्रीय Read in App आधार पर रखी जाएगी। एयरपोर्ट अथारिटी ... प्रस्तावित इस योजना पर जल्द ही कार्य शुरू होगा। जम्मू एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले के बाद से देश के सभी हवाई अड्डों की सुरक्षा बढ़ाई जा रही है।

Start your US Accredited Online MBA degree at IN...
amityonline.com
Register Now

INDIA NEWS

News updates from HT: PM to lay foundation stone of Noida International Airport

Here are today's top news, analysis, and opinion. Know all about the latest news and other news updates from Hindustan Times.

A worker installs a replica of an airplane as preparation are underway fo the foundation stone laying ceremony of Jewar Airport by Prime Minister Narendra Modi.

Published on Nov 25, 2021
08:51 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

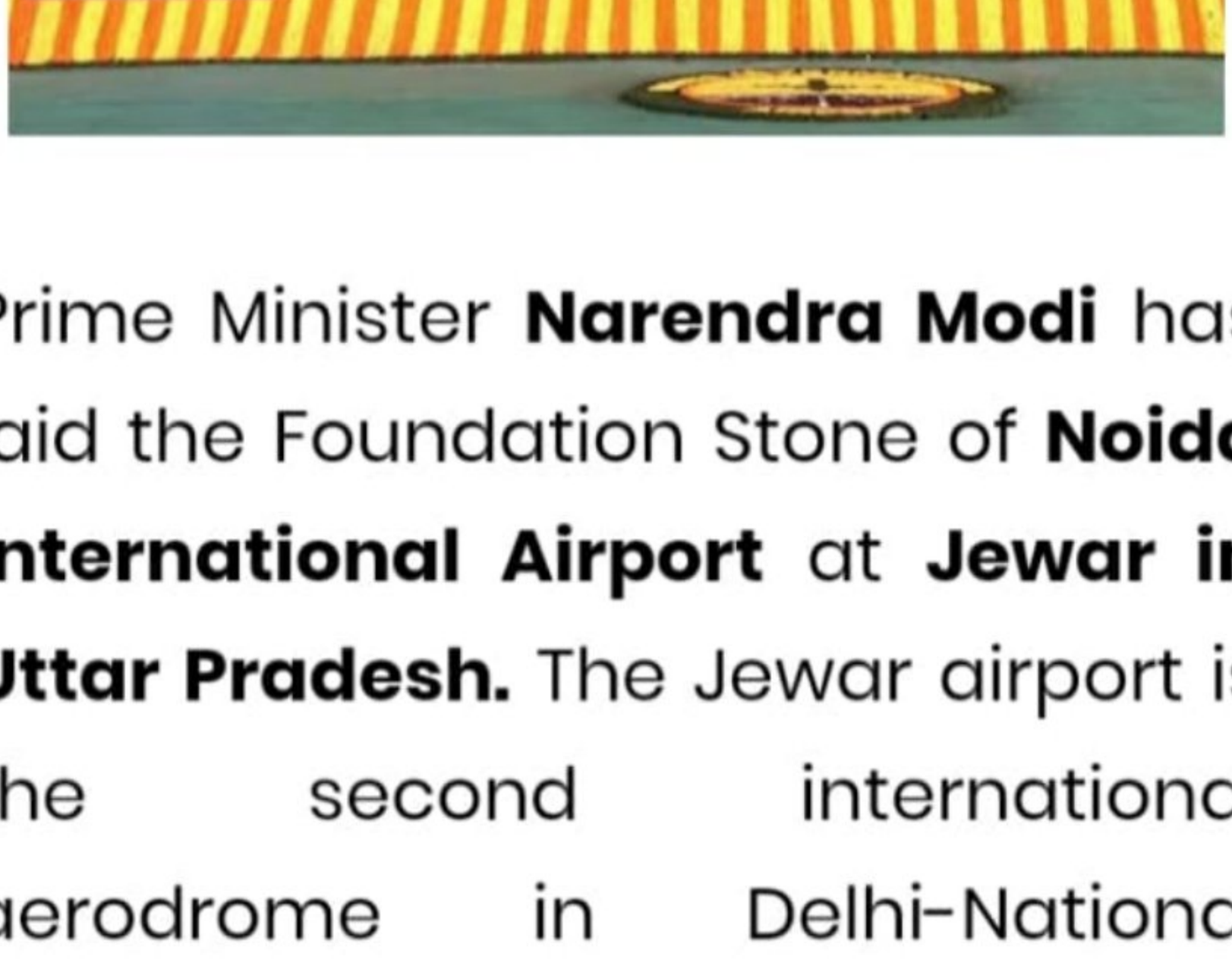

Prime Minister **Narendra Modi** has laid the Foundation Stone of **Noida International Airport** at **Jewar in Uttar Pradesh.** The Jewar airport is the second international aerodrome in Delhi-National Capital Region (NCR). It is the fifth international airport in Uttar Pradesh. Uttar Pradesh has now become the state with the highest number of international airports in India.

Scanned with OKEN Scanner

INDIA NEWS

PM Modi lays foundation stone of Noida airport: Know about the air transit hub

The airport will be the fifth international airport in Uttar Pradesh besides the ones in Kushinagar, Varanasi and Lucknow that are already functional, and the one to be built in Ayodhya, in the state.

Prime Minister Narendra Modi during the foundation stone laying ceremony for the Noida International Airport, in Jewar on November 25, 2021. (ANI Photo)

Updated on Nov 25, 2021
04:50 PM IST

Scanned with OKEN Scanner

Cabinet nod to proposals to expedite Jewar airport, defence corridor

The total of cost of acquisition has been estimated at Rs 4,500 crore.

The UP cabinet gave a go ahead to a number of proposals to expedite the Noida Greenfield International Airport project(File Photo)

Published on Dec 04, 2018
09:42 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

Jewar Airport: PM Modi Lays Foundation Stone; Boost Expected For Noida Housing Market

November 25, 2021 | SUNITA MISHRA

Prime minister Narendra Modi, on November 25, 2021, laid the foundation stone for the Jewar Airport in a mega event. Formally known as the Noida International Airport, the upcoming airport is expected to boost the fortunes for a high potential real estate region that has so far been impacted by a multi-year slowdown.

The much-publicised event that would initiate the process to build the Noida International Airport at Jewar had in attendance high-profile attendees like Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath.

Scanned with OKEN Scanner

19:28

...adda247.com

About the airport:

- The airport has been developed by **Zurich Airport International** AG over 1,330 acres of land area.
- The airport is expected to be operational by **September 2024.**
- Once operational, this airport will be the largest airport of India and the first net-zero emissions airport of the country.

Find More National News Here

हिंदी में पढ़े

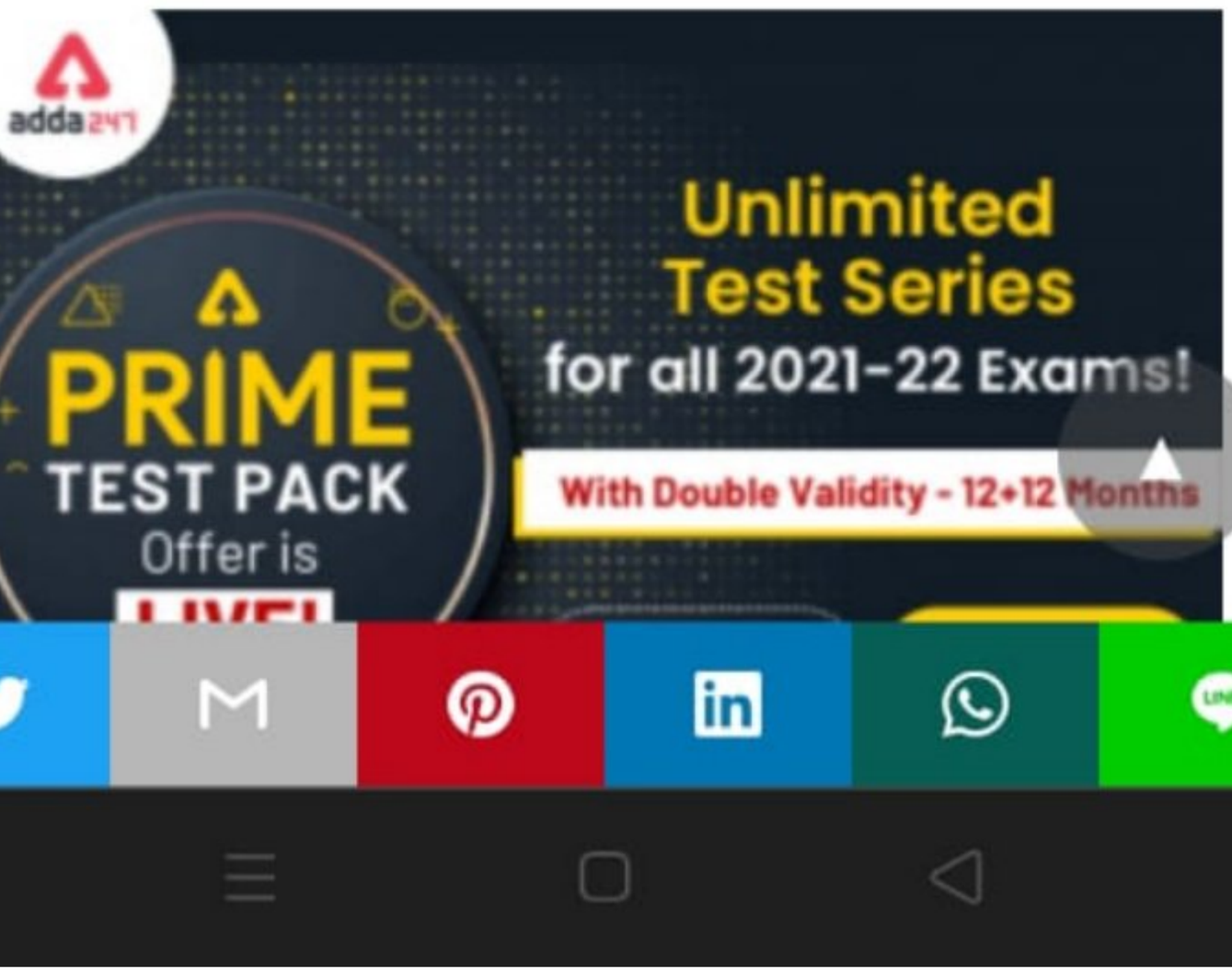

Scanned with OKEN Scanner

INDIA NEWS

PM Modi to perform bhoomi pujan of Noida airport in Jewar: All you need to know

The Noida International Airport in Jewar is being touted as the biggest infrastructure project to be launched by the Uttar Pradesh government before assembly elections in the state. PM Modi ill perform bhoomi pujan at 1pm today.

Workers install a replica of an airplane as preparation are underway for the foundation stone laying ceremony of Noida International Airport in Jewar by Prime Minister Narendra Modi, on Wednesday.(PTI Photo)

Published on Nov 25, 2021
05:45 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

NOIDA NEWS

Rs 6,869-cr budget for Metro lines to link Greater Noida, Jewar airport

Officials said while one would be an exclusive Airport Express Line -- with no stations between Knowledge Park-II and the airport, the other would go through residential, commercial and rural areas along the Yamuna Expressway.

A view of Noida-Greater Noida Metro line. Budget for two metro lines between Greater Noida and the proposed Jewar airport has been approved.(Sunil Ghosh / HT File)

Published on May 31, 2019
02:11 PM IST

Scanned with OKEN Scanner

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 26 नवंबर 2021, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 86, अंक 281, 22 पेज, मूल्य ₹ 4.50

शिलान्यास

- प्रधानमंत्री ने देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे की नींव रखी
- संपर्क बेहतर होगा व हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा
- कहा, दिल्ली-एनसीआर को सबसे बड़ा लाभ
- विपक्ष पर बरसे, बोले-वर्षों से इसे लटकाए रखा

जेवर उत्तर भारत का कार्गो हब बनेगा

ग्रेटर नोएडा | विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यूपी के जेवर में बनने जा रहे देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे की आधारशिला रखी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह एयरपोर्ट उत्तर भारत का 'लॉजिस्टिक गेटवे' (कार्गो हब) बनेगा और दिल्ली एवं पश्चिमी यूपी को इसका लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा बेहतरीन मॉडल बनेगा। यहां आने जाने के लिए मेट्रो, सड़क, रेल सभी तरह की सुविधाएं होंगी। दिल्ली-हरियाणा कहीं भी जाना हो, यहां से देश के अनेक शहरों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे में विमानों की मरम्मत और रखरखाव की सुविधा रहेगी। इसका फायदा ये होगा कि देश के हवाई जहाजों को इन सेवाओं के लिए विदेश नहीं जाना पड़ेगा। विदेश से विमान ऐसी सेवाओं के लिए भारत आएंगे तो हमारी आमदनी भी बढ़ेगी। साथ ही, इससे यहां हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के जरिए यहां की औद्योगिक इकाइयां दुनिया के बाजारों से जुड़ेंगी और उत्पादों का निर्यात कर सकेंगी। यहां के किसान खासतौर पर छोटे किसान फल-सब्जी जैसी चीजें निर्यात कर पाएंगे। मेरठ की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री हो या सहारनपुर का फर्नीचर, मुरादाबाद का पीतल उद्योग, आगरा का फुटवेयर और पेठा को भी विदेशी बाजार तक पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने कहा, हवाई अड्डा चलाने के लिए हजारों लोगों की जरूरत होती है, ऐसे में इनको रोजगार मिलेगा।

➤ उभरेगा जेवर पेज 08

अवलोकन | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का शिलान्यास करने से पहले अधिकारियों से परियोजना की जानकारी लेते हुए। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। • एएनआई

30 मिनट के संबोधन में मोदी ने विकास की चर्चा की और विपक्ष को घेरा

21 साल पहले देखा गया था नोएडा में एयरपोर्ट बनाने का सपना

निशाना : पुरानी सरकारों ने सिर्फ झूठे सपने दिखाए

मोदी ने कहा, पूर्व की सरकारों ने जिस यूपी को हमेशा झूठे सपने दिखाए, वही यूपी आज अंतर्राष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। हमारी राष्ट्रभक्ति के आगे उन दलों की 'स्वार्थ नीति' कभी नहीं टिक सकती।

सराहा: यूपी यानी 'उत्तम सुविधा-निरंतर निवेश'

मोदी ने कहा कि यूपी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान, रेलवे-हाईवे नेटवर्क बन रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश, उत्तम सुविधा और निरंतर निवेश से जुड़ी पहचान बन चुका है।

> पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के मकसद से यह हवाई अड्डा बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री का एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना साकार हो रहा है।
>
> –योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री यूपी

> आने वाले दिनों में जेवर एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। करीब 34 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।
>
> –ज्योतिरादित्य सिंधिया, उड्डयन मंत्री

ऐसे बनेगा हब

- देश का पहला ऐसा हवाईअड्डा होगा, जिसे मल्टी-मॉडल कार्गो हब की तरह बनाया गया है जहां से उत्पाद दुनिया भर में भेजे जा सकेंगे
- कार्गो टर्मिनल की क्षमता 20 लाख मीट्रिक टन होगी, जो 80 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ सकेगी
- हवाईअड्डे पर कार्गो के लिए अलग से एक रनवे आरक्षित होगा
- उधर, यमुना प्राधिकरण द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे टप्पल में लॉजिस्टिक हब बनाया जा रहा है।

उत्तर भारत की पहली परियोजना की संशोधित डीपीआर केंद्र को भेजी जाएगी, इसके लिए भूखंड की योजना दिसंबर में आएगी

यीडा में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने के लिए तैयारी तेज

योजना

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में विकसित होने वाले उत्तर भारत के पहले मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भूखंडों की योजना दिसंबर में लॉन्च होगी। परियोजना की डीपीआर संशोधन के साथ केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। योजना को लॉन्च करने से पहले फार्मा की कंपनियों के साथ वेबिनार होगा।

केंद्र सरकार ने उत्तर भारत में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने की योजना निकाली थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी इसमें आवेदन किया और इसके लिए यमुना प्राधिकरण को चुना गया। सरकार ने कहा कि यमुना प्राधिकरण अपने क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित करे। यमुना प्राधिकरण ने इस योजना में आवेदन किया और केंद्र सरकार ने इसको मंजूर कर लिया।

यमुना प्राधिकरण एक हफ्ते में केंद्र सरकार को इस परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भेज देगा। पहले डीपीआर भेजी गई थी, लेकिन इसमें सरकार ने कुछ संशोधन बताए थे। संशोधनों के साथ यह डीपीआर भेजी जाएगी। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में उत्तर भारत का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जाएगा। यह पार्क 350 एकड़ में विकसित होगा। पहले चरण में 90 एकड़ में भूखंड की योजना आएगी। इसमें मेडिकल उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए भूखंड और फ्लैट्टेड फैक्टरी का विकल्प होगा। यमुना प्राधिकरण योजना लाने से पहले देश की टॉप फार्मा कंपनियों के साथ वेबिनार करेगा। उन्हें इस योजना के बारे में बताया जाएगा। साथ ही, कहा जाएगा कि वह यहां अपनी इकाइयां लगाएं। इस पार्क का शिलान्यास करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ सकते हैं।

350 एकड़ में होगा यह पार्क। पहले चरण में 90 एकड़ में योजना आएगी।

> यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भूखंडों की योजना दिसंबर महीने में लॉन्च की जाएगी। इसकी तैयारी चल रही है। -डॉ. अरुण वीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

आवासीय प्लॉट खरीदने का भी मौका जल्द मिलेगा

यमुना प्राधिकरण आवासीय भूखंडों की लेफ्ट ओवर स्कीम लाने की भी तैयारी कर रहा है। योजना के लिए भूखंडों को चिह्नित किया जा रहा है। बहुत संभव है कि अगले महीने यह योजना लॉन्च कर दी जाए। जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास के बाद लोग आवासीय भूखंडों की योजना का इंतजार कर रहे हैं।

अगले महीने आएगी औद्योगिक भूखंडों की योजना

यमुना प्राधिकरण जल्द ही औद्योगिक भूखंडों की योजना लाएगा। इसके लिए तैयारी चल रही है। ये भूखंड सामान्य श्रेणी के होंगे। इसमें करीब 250 भूखंड होंगे। सभी भूखंड 4000 वर्ग मीटर से छोटे होंगे। इन भूखंडों का आवंटन ड्रॉ के जरिए किया जाएगा। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है।

Scanned with OKEN Scanner

बारिश के पानी को जमा करने के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पोंड का निर्माण भी किया जाएगा.

फोटो: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

Scanned with OKEN Scanner

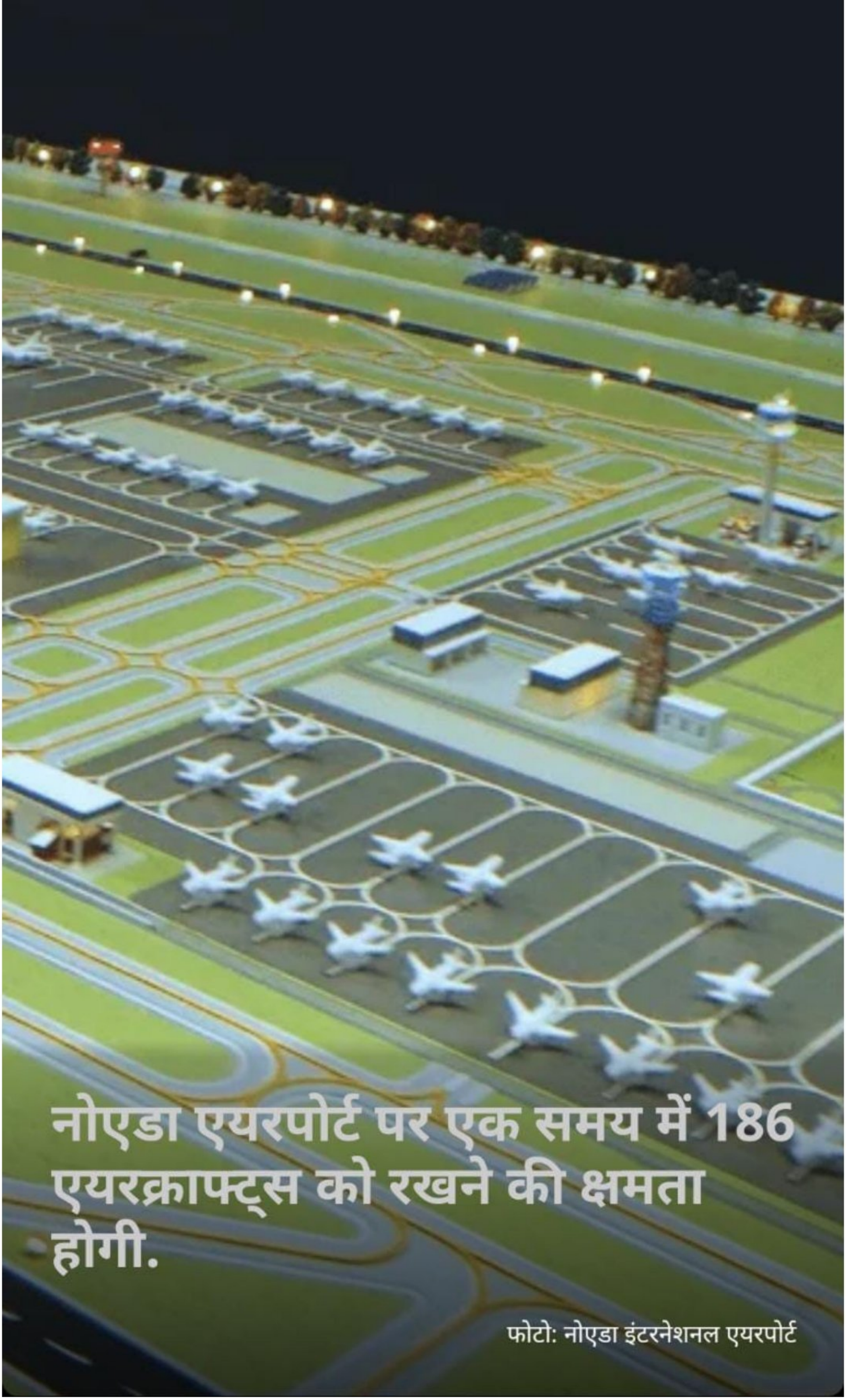

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

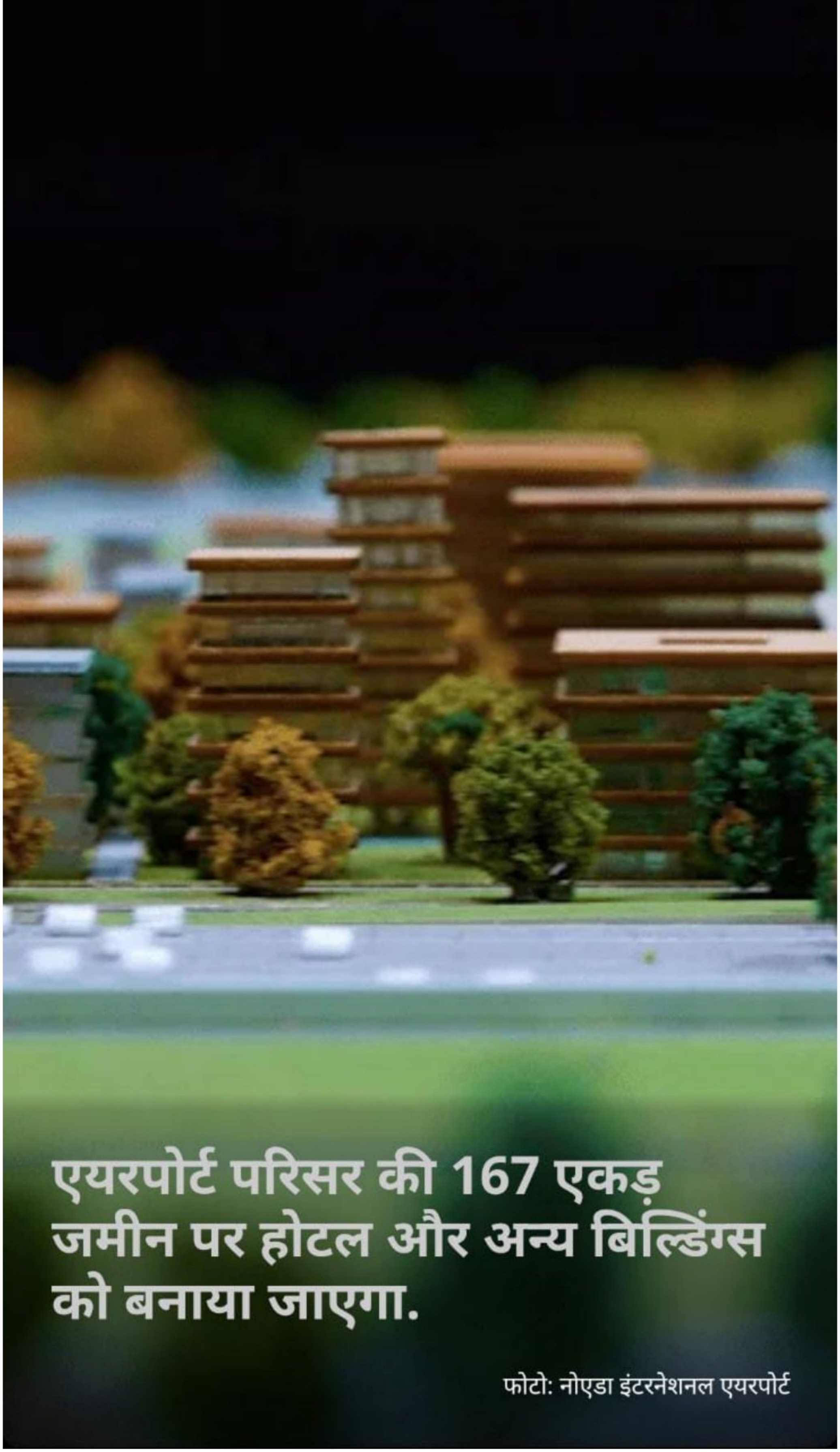

Scanned with OKEN Scanner

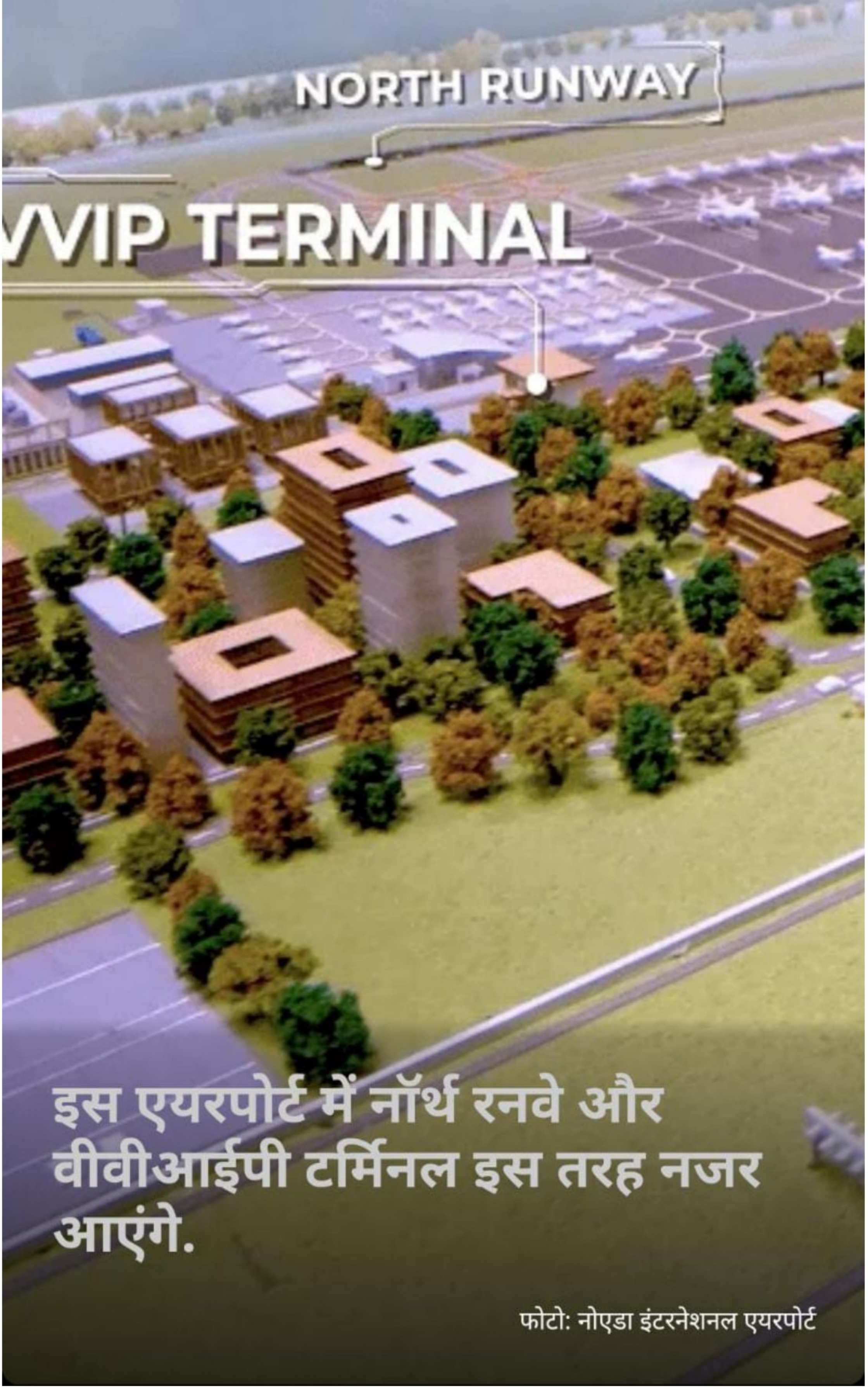

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

भारत के एविएशन मैप के शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

नोएडा के जेवर में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

प्रधानमंत्री जी के विज़न के तहत फ्यूचर-रेडी एविएशन सेक्टर के लिए ऐतिहासिक कदम

भारत में पहली बार इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल कार्गो हब की अवधारणा के साथ एयरपोर्ट का निर्माण, लॉजिस्टिक लागत में कमी और समय की होगी बचत

लोकल उत्पाद और उपज अन्तरराष्ट्रीय बाज़ारों में होंगे अधिक प्रतिस्पर्धी

दिल्ली, नोएडा, गाज़ियाबाद, अलीगढ़, आगरा, फरीदाबाद जैसे शहरों के साथ करोड़ों लोगों को लाभ

हर साल करीब सवा करोड़ यात्रियों का आवागमन

देश में सर्वाधिक 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य

उत्तरी भारत के लॉजिस्टिक गेटवे के रूप में प्रदेश ग्लोबल लॉजिस्टिक मैप पर उभरेगा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया
मंत्री, नागरिक विमानन, भारत सरकार

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री, नागरिक उड्डयन, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, उत्तर प्रदेश

डॉ. महेश शर्मा
सांसद, गौतमबुद्ध नगर

सुरेन्द्र सिंह नागर
सांसद, राज्यसभा

धीरेन्द्र सिंह
विधायक, जेवर

दिनांक : 25 नवम्बर, 2021
समय : मध्याह्न 12:00 बजे
स्थान : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट साइट, जेवर, गौतमबुद्ध नगर

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखें
DD News
DD National/Uttar Pradesh

₹5730 करोड़ से अधिक का निवेश, पहले चरण में 3300 एकड़ भूमि पर निर्माण

एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर

निवेश की संभावनाओं को बल। फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, एपैरल पार्क और उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर अलीगढ़ नोड के निर्माण से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को विशेष लाभ

एयरपोर्ट के साथ ही एयरो सिटी के निर्माण की योजना

हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा

नेट ज़ीरो एमिशन के साथ संचालन

डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आधारित संचालन

एयरपोर्ट के साथ ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर का भी विकास, जिससे एयरपोर्ट तक रोड, रेल और मेट्रो से निर्बाध कनेक्टिविटी

वर्ष 2024 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

सोच ईमानदार, काम दमदार

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बनेगा: दिल्ली देश का पहला शहर होगा, जहां 70 किमी की रेंज में अब तीन एयरपोर्ट होंगे

Dainik Bhaskar · 1d

Scanned with OKEN Scanner

Mubeen Sir I&S Buildtech
Today, 10:29

जेवर में बनेगा देश का सबसे बड़ा हवाई जहाज रिपेयरिंग केंद्र

एयरपोर्ट के तीसरे रनवे और एमआरओ सेंटर के लिए जमीन खरीदने को मिली मंजूरी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के पास देश के सबसे बड़े मेंटेनेंस, रिपेयर व ओवरहालिंग (एमआरओ) सेंटर व तीसरे रनवे के लिए जमीन का इंतजाम जल्द हो सकेगा। यूपी कैबिनेट ने एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन अधिगृहीत करने की मंजूरी दे दी है। एमआरओ बनने से हवाई जहाज रिपेयर करने के लिए विदेश नहीं जाना पड़ेगा। दूसरे चरण में 7 गांवों की 1365 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत होनी है। इस पर करीब 2890 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा एयरपोर्ट के पांच रनवे बनाने को मंजूरी दे चुकी है। पहले चरण में दो रनवे बनाने का जिम्मा ज्यूरिख कंपनी को दिया जा चुका है। दूसरे चरण में तीसरा रनवे और एमआरओ सेंटर बनना है। इसके लिए 1365 हेक्टेयर जमीन की दरकार है। जमीन जेवर के सात गांवों करौली बांगर, कुरैब, बीरमपुर, दयानतपुर, रन्हेरा, नंगला शाहपुर और मुंडेरा में ली जानी है। जमीन को अधिगृहीत करने का प्रस्ताव जिला प्रशासन ने शासन को भेजा था, जिस पर कैबिनेट ने मंगलवार को मुहर लगा दी। अब जल्द ही इन सात गांवों की जमीन अधिगृहीत करने के लिए अधिसूचना जारी हो जाएगी।

दरअसल, देश का एकमात्र एमआरओ सेंटर नागपुर में बना हुआ है। मुंबई एयरपोर्ट तक आने वाले विमान की रिपेयरिंग वहां होती है लेकिन दिल्ली एयरपोर्ट आने वाले विमान को नागपुर सेंटर ले जाना मुश्किल होता है। इसलिए हवाई जहाज जिस देश की उड़ान भरते हैं, वहीं मेंटेनेंस करा लेते हैं। इससे आमदनी का बड़ा जरिया विदेश चला जाता है। इसे देखते हुए नोएडा एयरपोर्ट पर एमआरओ सेंटर भी बनाने का निर्णय हुआ है। इससे समय व ईंधन की बचत के साथ ही देश भर में विमानों के मेनटनेंस, रिपेयर एंड ओवरहालिंग से जुड़ी इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और करोड़ों का निवेश भी होगा। इस सेंटर को नागपुर से भी बड़ा बनाने का प्लान है। वहीं, तीसरा रनवे बनने से इस एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों की वर्ष 2050 तक की जरूरत पूरी हो सकेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि दूसरे चरण की जमीन के लिए पैसों का इंतजाम हो चुका है। जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी करने पर शासन जल्द निर्णय ले सकता है।

1365 *हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण पर कैबिनेट ने लगाई मुहर*

एक नजर दूसरे चरण के गांवों की जमीन पर

करौली बांगर	183 हेक्टेयर
कुरैब	345 हेक्टेयर
बीरमपुर	96 हेक्टेयर
दयानतपुर	165 हेक्टेयर
रन्हेरा	519 हेक्टेयर
नंगला शाहपुर	15 हेक्टेयर
मुंडेरा	43 हेक्टेयर

- **सात गांवों की जमीन अधिगृहीत करने के लिए जल्द जारी होगी अधिसूचना**
- **एमआरओ बनने से एयरक्राफ्ट की रिपेयरिंग के लिए नहीं जाना पड़ेगा विदेश**

“ नोएडा एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन अधिग्रहण के लिए सोशल इंपैक्ट असेसमेंट (एसआईए) और किसानों की सहमति लेने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। प्रस्ताव पास होने के बाद एसआईए कराया जाएगा। जीबीयू ने पहले चरण का एसआईए किया था। इसे पूरा करने में दो महीने का समय लगेगा। इसके बाद अधिसूचना (धारा-11) की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। - **बलराम सिंह, एडीएम भूमि अध्याप्ति।**

ग्रेनो से पैसा मिलना बाकी फिर भी पूरा इंतजाम

दूसरे चरण की जमीन अधिगृहीत करने के लिए 2000 करोड़ रुपये का इंतजाम पहले ही हो चुका है। प्रदेश सरकार यह रकम दे चुकी है। नोएडा और यमुना प्राधिकरण भी अपना हिस्सा दे चुके हैं जबकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से पैसा मिलना बाकी है। दूसरे चरण में 2890 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा जाएगा। बता दें कि नोएडा एयरपोर्ट के लिए बनाई गई कंपनी नियाल में प्रदेश सरकार और नोएडा प्राधिकरण की हिस्सेदारी 37.5-37.5 फीसदी है। जबकि ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण की हिस्सेदारी 12.5-12.5 फीसदी है। इसी अनुपात में जमीन के लिए पैसा भी दिया जाना है।

REPLY

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

तैयारी : फिल्म सिटी का निर्माण दिसंबर तक शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ | संवाददाता

योगी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी के इस साल के अंत यानी दिसंबर तक निर्माण शुरू होने के आसार बन रहे हैं। परियोजना के लिए यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से फाइनल डीपीआर 8 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जाएगी। इसके बाद तय होगा कि यह विश्वस्तरीय परियोजना किसी रूप में व किस तरह बनेगी। इसके अलावा इसके वित्तीय प्रबंधन का मॉडल भी तय होगा।

यह सब तय होने के बाद ग्लोबल टेंडर के जरिए डवलपर चयन का काम होगा। इसके बाद दिसंबर तक इसका शिलान्यास करा कर प्रथम चरण का निर्माण शुरू कराया सकता है। प्राधिकरण के पास पहले से ही विवाद रहित 1000 एकड़ जमीन ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-21 में है। बताया जा रहा है फिल्म सिटी सरकार व निजी डवलपर मिल कर यानी पीपीपी मॉडल पर बनाएगी। प्राधिकरण अपनी जमीन डवलपर को किन शर्तों पर निःशुल्क देगा, यह भी तय होगा।

इस साल अमेरिका की कोल्डवेल बैंकर्स रिचर्ड एलिस (सीबीआरई) ने

लागत निकालने में 40 साल लगेंगे

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में फिल्म सिटी विकसित की जानी है। प्रारंभिक रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से पैसा वापस निकालने में 40 से 60 वर्ष तक का समय लग सकता है। इसलिए तय होने वाली विकासकर्ता कंपनी को 40 से 60 साल के बीच का समय दिया जाएगा। यानी विकासकर्ता कंपनी परियोजना पर पूरा पैसा खर्च करेगी और इसी से अपनी लागत निकालेगी। इस लागत के साथ ही यमुना प्राधिकरण को भी पैसा मिलेगा।

की थी। अब यही कंपनी फाइनल डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को देगी। फाइनल डीपीआर में इस बात का उल्लेख होगा किस वित्तीय माडल पर इसे बनाया जाए।

इसके लिए फंड की व्यवस्था का फार्मूला क्या होगा? फिल्म सिटी के प्रथम चरण, दूसरे चरण व तीसरे के निर्माण पर आने वाले खर्च का फाइनल ब्यौरा व निर्माण समय सीमा का विस्तृत ब्यौरा होगा। साथ ही, और इसके

आमदनी व रोजगार का हिसाब भी लगाया गया है। फिल्म सिटी को पर्यटन स्थल को रूप में भी विकसित किया जाएगा जैसे हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्थल है।

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि डीपीआर सरकार को जल्द सौंपी जाएगी। इसका अध्ययन कर शासन तय करेगा कि परियोजना को किस रूप में

यह खासियत होगी

फिल्म सिटी में थ्री डी स्टूडियो, 360 डिग्री पर घूमने वाले सेट, ओपेन व इंडोर स्टूडियो, साउंड रिकार्डिंग, एडिटिंग व एनिमेशन स्टूडियो, फिल्म इंस्टीट्यूट व एम्यूजमेंट पार्क, प्री प्रोडक्शन से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक की आधुनिक सुविधा और होटल व गेस्ट हाउस बनेंगे।

इस तरह से निर्माण होगा

व्यावसायिक	40 एकड़
एम्यूजमेंट पार्क	120 एकड़
होटल रेस्टोरेंट	21 एकड़
फिल्म फैसिलिटी	740 एकड़
रिटेल	34 एकड़
आवासीय	40 एकड़
फिल्म इंस्टीट्यूट	40 एकड़

कहां कितना खर्च होगा

स्टूडियो	1513
रिटेल मॉल	989
फिल्म इंस्टीट्यूट	914
इंफ्रास्ट्रक्चर विकास	842
होटल रेस्टोरेंट	532
बैकलॉट सेट	393
एम्यूजमेंट पार्क	378
आवासीय मकान	307
ऑफिस	227
बैकलॉट वर्कशॉप	214

Scanned with OKEN Scanner

Cabinet nod to proposals to expedite Jewar airport, defence corridor

The total of cost of acquisition has been estimated at Rs 4,500 crore.

The UP cabinet gave a go ahead to a number of proposals to expedite the Noida Greenfield International Airport project(File Photo)

Published on Dec 04, 2018
09:42 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

NOIDA NEWS

Rs 6,869-cr budget for Metro lines to link Greater Noida, Jewar airport

Officials said while one would be an exclusive Airport Express Line -- with no stations between Knowledge Park-II and the airport, the other would go through residential, commercial and rural areas along the Yamuna Expressway.

A view of Noida-Greater Noida Metro line. Budget for two metro lines between Greater Noida and the proposed Jewar airport has been approved.(Sunil Ghosh / HT File)

Published on May 31, 2019
02:11 PM IST

Scanned with OKEN Scanner

INDIA NEWS

PM Modi to perform bhoomi pujan of Noida airport in Jewar: All you need to know

The Noida International Airport in Jewar is being touted as the biggest infrastructure project to be launched by the Uttar Pradesh government before assembly elections in the state. PM Modi ill perform bhoomi pujan at 1pm today.

Workers install a replica of an airplane as preparation are underway for the foundation stone laying ceremony of Noida International Airport in Jewar by Prime Minister Narendra Modi, on Wednesday.(PTI Photo)

Published on Nov 25, 2021
05:45 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

THE TIMES OF INDIA

FRENCH GOVT MULLS STATE OF EMERGENCY AS PARIS WITNESSES WORST RIOTS IN DECADES 16

PAK CAN SEEK INDIA'S HELP IF IT CAN'T CURB TERRORISM: RAJNATH 9

AUBAMEYANG'S PENALTY INSPIRES ARSENAL'S 4-2 WIN OVER TOTTENHAM 22

Game for it: Sports city near Jewar to power India's Olympic dream?

Blueprint With A Timeline Of 12-15 Years Presented To UP Govt Recently

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: India has never hosted an Olympics, but now a state-run company has proposed building a new city near the upcoming Jewar international airport close to the national capital to enable the world's sixth largest economy to make a serious bid for the mega sports event.

Sources said a blueprint for the city, expected to be built in the next 12-15 years, was presented to the Uttar Pradesh government recently. It said the huge land parcels available with the government and private players in and around Jewar could be an ideal location for a greenfield city.

Creating adequate sports facilities would be one of the thrust areas in this city with a capacity to accommodate one million people, according to a concept proposal made by the National Buildings Construction Corporation (NBCC).

India had hosted the Commonwealth Games in 2010, which was one of the last major sporting events held in the country. It had earlier hosted two editions of the Asian Games. Earlier this year, the Indian Olympic Association had said it would bid for the 2026 Youth Olympics, the 2030 Asian Games and the 2032 Olympics.

The proposed city will be located about 60 km from the upcoming Dedicated Freight Corridor, which is being developed as a Golden Quadrilateral connecting Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata. The Yamuna river, which flows along the planned location, can be developed for water sports. The proximity to Taj Mahal, one of the biggest tourist attractions for global visitors, will be an added advantage.

"Since work for the airport has started, it's the right time to start planning for the new city. The location is ideal considering it has connectivity to the six-lane Yamuna Expressway and the Eastern Peripheral Expressway. Jewar airport will be the biggest draw, which will push development activity including hotels and other facilities," a central government official said.

The proposal includes upscaling existing sports and allied infrastructure available in the vicinity. For example, the Greater Noida Sport Complex ground has a cricket stadium that can accommodate one lakh spectators, a 12-lane bowling alley, a tennis complex including basketball and volleyball courts. It also has a football ground and a 400 metre running track.

The 2,500 acre Jaypee Sports Complex with the spanking new Formula 1 racing circuit, a hockey ground and other sports infrastructure can also be used to host some events of the world's biggest sporting spectacle, sources said.

"The need is to interlink and integrate the existing infrastructure as well as upgrade them to host world class mega events such as the Olympics," NBCC's new city proposal says. Sources said the government would need to set up a separate entity with participation from the government owned company and the UP government to plan and execute this proposal. Such a massive project would require about Rs 6 lakh crore.

"The first phase may comprise building the entire trunk infrastructure. Ten to 15% of the seed capital has to come from the government and the rest from private players. However, after that, the project will be self-sustaining. About 30% of the land shall be dedicated to industry for mixed use development and generation of funds," the concept note says.

Besides generating employment during the large-scale construction activities, after completion it would create opportunities for about 2.5 lakh jobs in various sectors. Officials said the new city can be a hub for economic activity and the government can implement its plan of moving some central offices to help decongest Delhi.

'HOST' OF ISSUES NEED SORTING OUT

शिलान्यास के रनवे पर अगस्त में उतरेगा नोएडा एयरपोर्ट!

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

कोरोना के घटते मामलों के साथ ही नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारियां रफ्तार पकड़ रही हैं। मेरठ के आयुक्त सुरेंद्र सिंह बुधवार को एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए अधिग्रहीत की गई जमीन पर मौजूद किसानों के पुनर्वास कार्यों का जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने शिलान्यास के लिए संभावित कार्यक्रम स्थल का भी दौरा किया। इसके बाद उन्होंने यमुना प्राधिकरण सभागार में यीडा व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए इसकी प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन शासन को भेजने का निर्देश दिया।

पहली अप्रैल को ही नोएडा एयरपोर्ट को विकसित करने वाली कंपनी के साथ प्रदेश सरकार स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कर चुकी है। यीडा सीईओ ने कमिश्नर को बताया कि ग्रेटर नोएडा में बन रहे नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के मास्टर प्लान को रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के बाद ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी भी अपनी एनओसी दे चुकी है। एयरपोर्ट के मास्टर प्लान को लेकर नागरिक विमानन मंत्रालय ने कुछ सुझाव दिए थे, उन सुझाव को शामिल करके मास्टर प्लान दोबारा मंजूरी के लिए भेजा जा चुका है। इसी महीने उसको अंतिम मंजूरी के साथ आने की संभावना है। मेरठ आयुक्त ने बैठक के दौरान एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी सुहास एलवाई के साथ पूरी टीम को सराहा। आयुक्त ने कहा कि इन [illegible] को देखकर [illegible] जिन कार्यों के लिए [illegible] है, उनके [illegible] विकास को एक नई [illegible]।

➡ [illegible]

मेरठ के आयुक्त ने एयरपोर्ट के शिलान्यास के लिए संभावित कार्यक्रम स्थल का भी दौरा किया।

नोएडा एयरपोर्ट से 2023 में प्रारंभ होंगी उड़ानें

■ [illegible]

Jewar Airport के डिजाइन में दिखेगी भारतीय विरासत की झलक, चेक करें डिटेल्स

Jewar Airport: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (Noida International Airport) दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI) से लगभग 80 किलोमीटर दूर गौतमबुद्धनगर जिले में स्थित जेवर में बन रहा है. जेवर हवाई अड्डे को स्विस कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ZIA) एजी द्वारा 29,560 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा है.

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे से 80 किमी दूर गौतमबुद्धनगर जिले में बन रहा है. (सांकेतिक फोटो)

Scanned with OKEN Scanner

Jewar Airport के डिजाइन में दिखेगी भारतीय विरासत की झलक, चेक करें डिटेल्स

Jewar Airport: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (Noida International Airport) दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI) से लगभग 80 किलोमीटर दूर गौतमबुद्धनगर जिले में स्थित जेवर में बन रहा है. जेवर हवाई अड्डे को स्विस कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ZIA) एजी द्वारा 29,560 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा है.

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे से 80 किमी दूर गौतमबुद्धनगर जिले में बन रहा है. (सांकेतिक फोटो)

Scanned with OKEN Scanner

बजट में दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल को 900 और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए 2000 करोड़

सौगात : जेवर हवाई अड्डा रैपिड रेल को 2900 करोड़

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को पेश बजट में जेवर एयरपोर्ट और दिल्ली मेरठ रैपिड रेल के लिए 2900 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए दो हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

योगी सरकार ने दिल्ली से मेरठ के बीच चलने वाली रैपिड रेल परियोजना के लिए 900 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है, जबकि जेवर में बन रहे एशिया के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को 2000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

गंगा एक्सप्रेस वे के लिए दो हजार करोड़ : देश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। यह एक्सप्रेस वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। बजट में आगरा मेट्रो रेल परियोजना को गति देने के लिए कुल 286 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। बजट में चित्रकूट से इटावा के बीच बनने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के लिए 750 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में अयोध्या, मथुरा तथा काशी के जरिए धार्मिक-सांस्कृतिक एजेंडे को धार दी गई है।

गांवों की सूरत बदलेगी : पांच लाख पीएम आवास बनाने के लिए 6,240 करोड़ रुपये और स्वच्छ भारत मिशन में 5,791 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

सात नए विश्वविद्यालय : लखनऊ में नए चिकित्सा और प्रयागराज में विधि विश्वविद्यालय समेत प्रदेश में सात नए विश्वविद्यालय खुलेंगे। सहारनपुर, आजमगढ़ व अलीगढ़ में राज्य विवि खोले जाएंगे। एक सैनिक स्कूल और 18 आवासीय विद्यालय खोले जाएंगे।

बजट पेश करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वित्तमंत्री सुरेश खन्ना। • हिन्दुस्तान

5.12 लाख करोड़ की धनराशि का अब तक का यह उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा बजट है।

500 करोड़ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लिए आवंटित किया गया है।

" साल 2020-21 का यह उत्तर प्रदेश का बजट 'नए भारत के नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण को और गति प्रदान करने वाला है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र

रैपिड रेल : कार्य प्रगति पर

दिल्ली से मेरठ तक रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम का काम प्रगति पर है। दिल्ली के सराय काले खां से आनंद विहार गाजियाबाद होते हुए मेरठ तक 82 किलोमीटर के रेल नेटवर्क का निर्माण कार्य चल रहा है।

हवाई अड्डा : 2023 तक पूरा होगा

स्विट्जरलैंड की कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल को जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का ठेका मिला है। इसका निर्माण इसी साल शुरू होने वाला है। 2023 तक इसका कार्य पूरा करने का लक्ष्य है।

> यूपी बजट पेज 02
> गाजियाबाद लाइव पेज 04

Scanned with OKEN Scanner

अधिकारियों का दावा है कि यह प्रदेश में जमीन की सबसे बड़ी रजिस्ट्री है। रजिस्ट्री पर 96 करोड़ रुपये स्टांप शुल्क दिया गया है। जमीन की रजिस्ट्री से सबसे अधिक स्टांप शुल्क मिलने का रिकार्ड भी गौतमबुद्ध नगर के नाम पर दर्ज है।

Jp Yadav

Wed, 21 Jul 2021 10:28 AM (IST)

Scanned with OKEN Scanner

रियल एस्टेट क्षेत्र में इस साल निवेश बढ़कर 36,500 करोड़

नई दिल्ली। देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में चालू कैलेंडर वर्ष में संस्थागत निवेश 4 फीसदी बढ़कर 5 अरब डॉलर (करीब 36,500 करोड़ रुपये) पहुंच सकता है। संपत्ति

कार्यालय संपत्तियों में बरकरार है आकर्षण

डॉलर (करीब 21,170 करोड़ रुपये) रहा। यह एक साल पहले की

नोएडा एयरपोर्ट के शिलान्यास की तारीख जल्द होगी तय

केंद्र ने मांगा हवाई अड्डे का ब्योरा, प्रदेश सरकार ने भेजा

माई सिटी रिपोर्टर

एयरपोर्ट की निर्माण साइट से सिर्फ दो परिवार विस्थापित होने के लिए बाकी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट का शिलान्यास [illegible] ... प्रदेश सरकार [illegible] 29,500 करोड़ रुपये के एयरपोर्ट की नींव [illegible] ... 1334 हेक्टेयर जमीन [illegible]

www.patelprop.com

ट्रांसपोर्ट हब के लिए 500 करोड़ और मिले

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

कवायद

- आईआईटीजीएनएल केंद्रीय एजेंसी के तौर परियोजना को पूरा करेगी
- दोनों परियोजनाओं के लिए 227 हेक्टेयर जमीन खरीदी जा चुकी

[illegible]

350 करोड़ पहले मिल चुके हैं : [illegible]

बुलेट ट्रेन को मिलेगी रफ्तार जल्द होगा जमीन अधिग्रहण

माई सिटी रिपोर्टर

एडीएम ने संबंधित महकमों को बैठक में दिए निर्देश, 4 माह में जमीन नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को देनी है

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली से वाराणसी के बीच प्रस्तावित हाईस्पीड ट्रेन (बुलेट ट्रेन) परियोजना जिले में भी रफ्तार पकड़ने लगी है। जिले में इस ट्रेन के लिए करीब 161 हेक्टेयर जमीन की दरकार है, जिसमें से 101 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। शेष 60

तीन फेज में होगा निर्माण

195 316 किलोमीटर दूसरे फेज में आगरा से लखनऊ तक

कवायद सेक्टर-28 में 350 एकड़ में दो चरणों में बनाने की तैयारी, मेडिकल इकाइयों के लिए प्लॉट और शेड की योजना

यीडा बनाएगा उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवा

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश का पहला और उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क यमुना प्राधिकरण (यीडा) खुद बनाने जा रहा है। प्राधिकरण ने इसके लिए सेक्टर-28 में 350 एकड़ जमीन तय कर दी है। मेडिकल उपकरण बनाने वाली इकाइयों के लिए प्लॉट व निर्मित शेड की योजना बहुत जल्द आने वाली है।

उद्यमी इन शेड्स में शीघ्र इकाई लगाकर मेडिकल उपकरणों का उत्पादन कर सकेंगे। इससे कम समय में निवेश के साथ ही रोजगार के हजारों अवसर युवाओं को मिल सकेंगे। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत केंद्र व राज्य सरकारों का स्वदेशी उत्पादों पर अधिक जोर है। कोरोना की वजह से मेडिकल उपकरणों में

कुछ इस तरह के होंगे मेडिकल डिवाइस पार्क के शेड। माई सिटी

100 के आसपास शेड बनाए जाएंगे पहले चरण में

आत्मनिर्भर बनने की बड़ी सीख मिली है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने यीडा सिटी एरिया में मेडिकल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के लिए एक मंच तैयार करने को कहा है। हाल ही में यीडा दफ्तर आए औद्योगिक विकास आयुक्त व प्रदेश सरकार की तरफ से तैनात फार्मा एडवाइजर ने भी मेडिकल डिवाइस पार्क की योजना शीघ्र लाने के निर्देश दिए हैं।

भारत सरकार से अनुदान का

बीते साल भारत सरकार की तरफ से मेडिकल डिवाइस [illegible] लिए सभी राज्यों से प्रस्ताव मांगे गए थे। प्रदेश सरकार ने प्रस्ताव मंगवाया। बीते साल अक्तूबर में ही इसे केंद्र के [illegible] पर निर्णय नहीं हो सका। अगर भारत सरकार यीडा के [illegible] तो इसे विकसित करने में 100 करोड़ रुपये का अनुदान

इसे देखते हुए यमुना प्राधिकरण सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने जा रहा है। पहले चरण में 125 एकड़ में शेड बनाकर उद्योगों को आवंटित किए जाएंगे। दूसरे चरण में 225 एकड़ में यही योजना आएगी। यह उत्तर प्रदेश का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क है। यह मूर्त रूप में आता है तो उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क होगा। पहली बार प्रदेश में उद्योगों के लिए तैयार शेड आवंटित करने का क्रेय भी [illegible]

तैयारी औद्योगिक भूखंड योजना का हुआ ड्रॉ, 160 करोड़ का होगा निवेश

ग्रेनों में उद्योगों को जमीन आवंटित 1300 लोगों को मिलेगा रोजगार

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की औद्योगिक भूखंड योजना के जरिये 41 उद्योगों के लिए जमीन मिल गई है। इनके लगने से ग्रेनो क्षेत्र में 160 करोड़ रुपये का निवेश होगा। दो से तीन साल में 1300 लोगों को रोजगार मिलेगा।

प्राधिकरण ने 25 मई से 30 जून के बीच योजना लॉन्च की थी। इसमें 186 आवेदन आए थे, जिसमें से 157 आवेदन सही पाए गए। इनके बीच ड्रॉ हुआ। इनमें से 38 भूखंड 905 वर्ग मीटर से 3603 वर्ग मीटर के हैं। इनका ड्रॉ के जरिये आवंटन किया गया, जबकि तीन भूखंड 4061 वर्ग मीटर के हैं, इनका आवंटन साक्षात्कार से किया गया। ये सभी भूखंड सेक्टर ईकोटेक-10 व 11 में स्थित हैं। इन आवेदकों को प्राधिकरण ने कुल 17.50 एकड़ जमीन आवंटित की और इससे प्राधिकरण को करीब 78 करोड़

औद्योगिक भूखंडों के ड्रॉ में मौजूद आवेदक। माई सिटी

जीएम मिल एसपी कर्ण आदि अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले प्राधिकरण ने योजना की पांच बड़ी कंपनियों को जमीन आवंटित की थी। इनको करीब 200 करोड़ रुपये की 62 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। ये कंपनियां दो साल में चालू हो जाएंगी। इनमें 922 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 5700 लोगों

दिल्ली-एनसीआर की खबरों के स्कैन करें

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक भास्कर

जेवर एयरपोर्ट की खूबियां

दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा

एयरपोर्ट पर 5 रन-वे होंगे

4 एक्सप्रेस-वे से सीधी कनेक्टिविटी होगी

वेस्ट यूपी के 30 जिले सीधे जुड़ेंगे

Scanned with OKEN Scanner

18:29

नोएडा के पुलिस कमिशनर अलोक सिंह और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने आज जेवर हवाई अड्डे के भूमि पूजन स्थल का मुआयना किया। इस मौके पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के शैलेन्द्र भाटिया, जनरल मैनेजर केके सिंह आदि अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इसके साथ कई गावों के दर्जनों किसान भी मौजूद रहे।

नोएडा एयरपोर्ट (फोटो -सोशल मीडिया)

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट (Jewar International Airport) का निर्माण शुरू करने के लिए सभी जरुरी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। जमीन की रजिस्ट्री कंपनी के नाम हो चुकी है। 22 - 25 अगस्त को इस इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण होना है। कोरोना महामारी के दौरान यह शिलान्यास की तारीख टलती रही। कोरोना की दूसरी लहर कम होते ही भूमि पूजन और शिलान्यास की तैयारी तेज हो गयी है।

हाई स्पीड रेल लाइन से जोड़ा जाएगा एयरपोर्ट

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट (Jewar International

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

INDIA NEWS

News updates from HT: PM to lay foundation stone of Noida International Airport

Here are today's top news, analysis, and opinion. Know all about the latest news and other news updates from Hindustan Times.

A worker installs a replica of an airplane as preparation are underway fo the foundation stone laying ceremony of Jewar Airport by Prime Minister Narendra Modi.

Published on Nov 25, 2021
08:51 AM IST

Scanned with OKEN Scanner

INDIA NEWS

PM Modi lays foundation stone of Noida airport: Know about the air transit hub

The airport will be the fifth international airport in Uttar Pradesh besides the ones in Kushinagar, Varanasi and Lucknow that are already functional, and the one to be built in Ayodhya, in the state.

Prime Minister Narendra Modi during the foundation stone laying ceremony for the Noida International Airport, in Jewar on November 25, 2021. (ANI Photo)

Updated on Nov 25, 2021
04:50 PM IST

Scanned with OKEN Scanner

Jewar Airport: PM Modi Lays Foundation Stone; Boost Expected For Noida Housing Market

November 25, 2021 | SUNITA MISHRA

Prime minister Narendra Modi, on November 25, 2021, laid the foundation stone for the Jewar Airport in a mega event. Formally known as the Noida International Airport, the upcoming airport is expected to boost the fortunes for a high potential real estate region that has so far been impacted by a multi-year slowdown.

The much-publicised event that would initiate the process to build the Noida International Airport at Jewar had in attendance high-profile attendees like Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath.

Scanned with OKEN Scanner

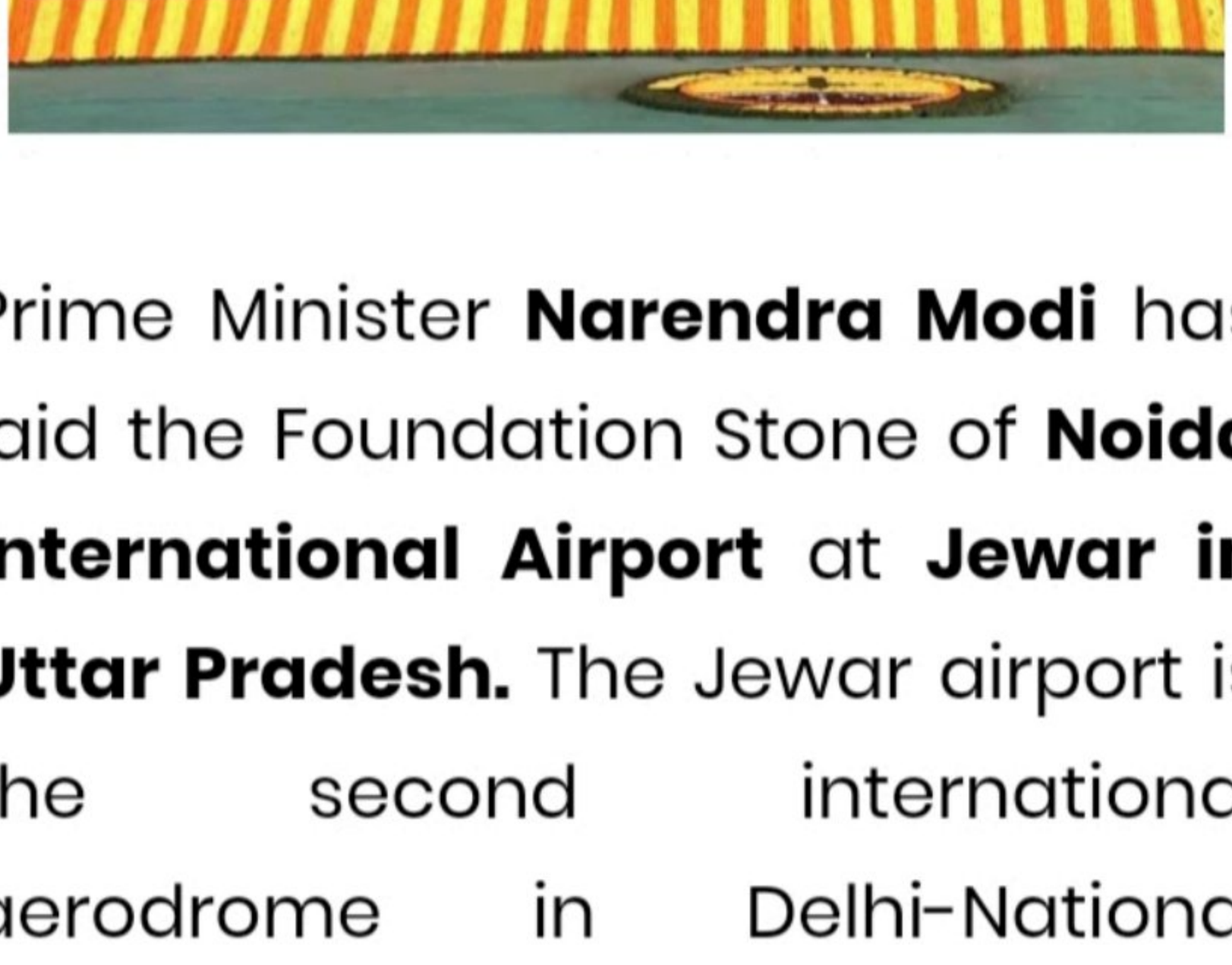

Prime Minister **Narendra Modi** has laid the Foundation Stone of **Noida International Airport** at **Jewar in Uttar Pradesh.** The Jewar airport is the second international aerodrome in Delhi-National Capital Region (NCR). It is the fifth international airport in Uttar Pradesh. Uttar Pradesh has now become the state with the highest number of international airports in India.

Scanned with OKEN Scanner

19:28

...adda247.com

About the airport:

- The airport has been developed by **Zurich Airport International** AG over 1,330 acres of land area.
- The airport is expected to be operational by **September 2024.**
- Once operational, this airport will be the largest airport of India and the first net-zero emissions airport of the country.

Find More National News Here

हिंदी में पढ़े

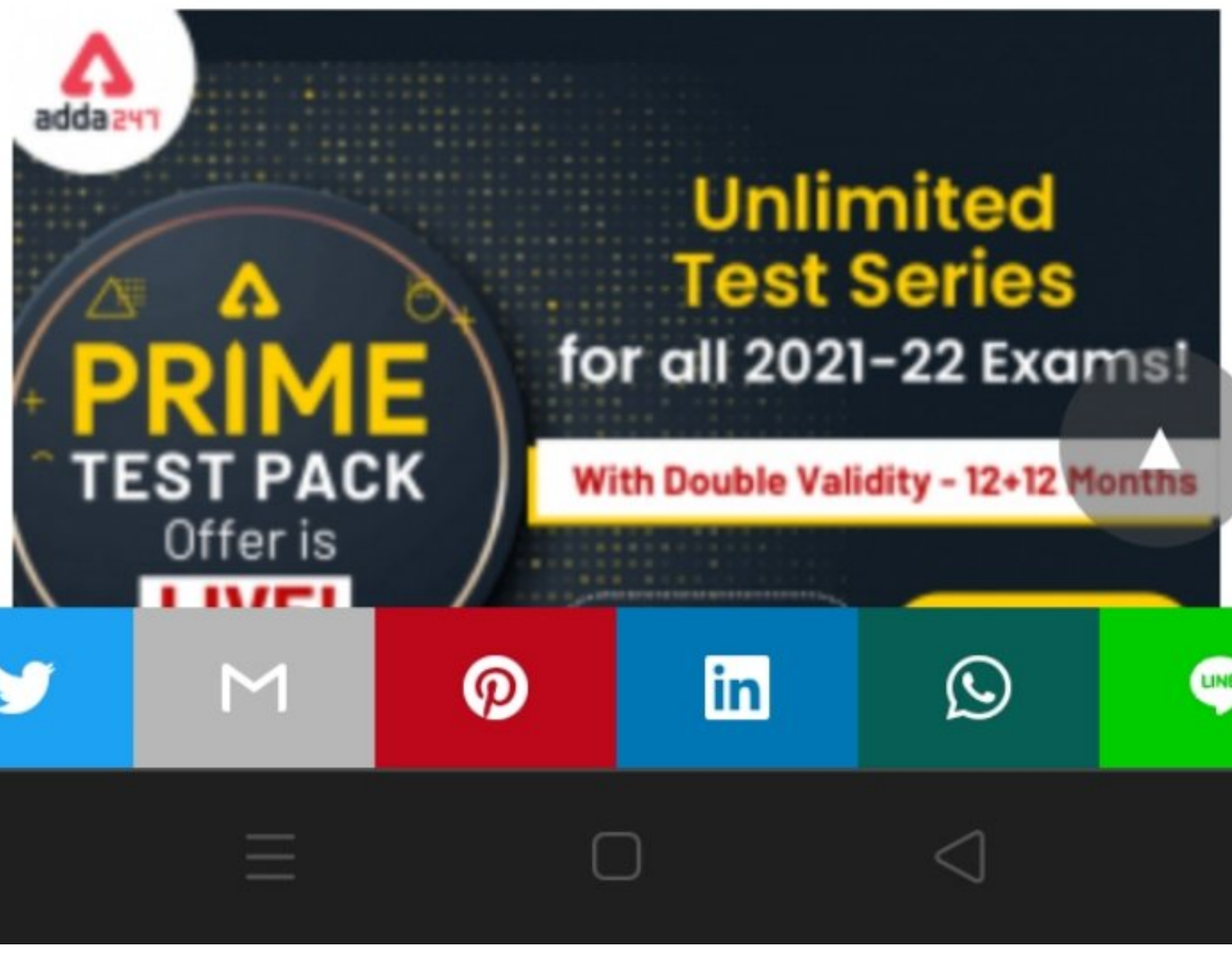

Scanned with OKEN Scanner